दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

वर्ष: 30 | अंक: 241 | भोपाल, सोमवार 15 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

संक्षिप्त खबरें

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और मिमी चक्रवर्ती को ईडी का समन

मुंबई एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और एक्ट्रेस और पूर्व तृणमूल सांसद मिमी चक्रवर्ती को ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म 1×Bet से जुड़ी जांच में समन भेजा है। यह प्लेटफॉर्म मनी लॉन्ड्रिंग के शक में जांच के दायरे में है। ईडी के अनुसार दोनों कलाकार 1×Bet के कुछ प्रमोशनल एंडोर्समेंट से जुड़े हैं। उर्वशी रौतेला को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में 16 सितंबर को हाजिर होने के लिए कहा गया है। वहीं, एक्ट्रेस मिमी चक्रवर्ती 15 सितंबर को हाजिर होंगी। सूत्र के मुताबिक, दोनों की बयान पीएमएलए के तहत रिकॉर्ड किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि दोनों का 1×Bet से कनेक्शन जांच के दौरान स्पष्ट किया जाएगा। बता दें कि उर्वशी रौतेला ने सनम रे (2016), ग्रेट ग्रैंड मस्ती (2016), हेट स्टोरी 4 (2018), पागलपंती (2019) और डाकू महाराज (2025) जैसी फिल्मों में काम किया है।

बालाघाट में हार्डवेयर कारोबारी और पत्नी की हत्या

बालाघाट नप्र। बालाघाट में हार्डवेयर कारोबारी और उनकी पत्नी का शव बेडरूम में खून से लथपथ मिला। घटना रविवार सुबह करीब 8 बजे नादी गांव की है। कटंगी पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान हेमेंद्र बिसेन और उनकी पत्नी योगिता बिसेन के रूप में हुई। हेमेंद्र का शव बिस्तर के पास पड़ा हुआ था, जबकि उनकी पत्नी का शव बिस्तर पर मिला। पुलिस को इस मामले में हत्या की आशंका है, जिसके बाद उन्होंने तुरंत घटना स्थल को सील कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। एसडीओपी विवेक शर्मा ने बताया कि फिलहाल जांच जारी है और इस समय कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। बताया जा रहा है कि हेमेंद्र बिसेन की नादी में हार्डवेयर की दुकान थी।

भले ही गुजरात हिंदी भाषी राज्य नहीं है फिर भी गुजरात ने हिंदी को अपनाया

एजेंसी | गांधीनगर

गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन एक नया दृष्टिकोण, ऊर्जा और प्रेरणा लेकर आता है। उन्होंने देशभर से आए राजभाषा और भारतीय भाषाओं के विद्वानों का स्वागत किया। पहले यह सम्मेलन हमेशा दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था, लेकिन पिछले पाँच सालों से इस सम्मेलन को देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इस बदलाव से राजभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच आपसी संवाद और आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भले ही गुजरात एक हिंदी भाषी राज्य नहीं है, फिर भी यहाँ हिंदी को हमेशा से अपनाया गया है। उन्होंने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान हस्तियों का उल्लेख किया, जिन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गृह मंत्रालय ने सारथी नाम की एक अनुवाद प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली की मदद से हिंदी से भारत की सभी भाषाओं में आसानी से अनुवाद किया जा सकता है।

पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम बोले-

8 सालों तक लोगों से ज्यादा वसूली क्यों की

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने जीएसटी दरों में हुई कटौती पर केंद्र सरकार को घेरा है। एक समाचार पत्र में छपे लेख में चिदंबरम ने कहा कि आखिरकार सरकार ने वही माना जो उन्होंने आठ साल पहले संसद में उठाया था कि जीएसटी दर 18 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस फैसले को सही लेकिन बहुत देर से उठाया गया कदम बताया।

चिदंबरम ने याद दिलाया कि जब 2016 में संविधान संशोधन बिल पर संसद में चर्चा हुई थी, तब उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर है, जो अमीर और गरीब दोनों पर समान रूप से लागू होता है। ऐसे में इसे 18 फीसदी से ऊपर रखना अन्यायपूर्ण होगा। उन्होंने चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि उभरते बाजारों में जीएसटी की औसत दर 14.1फीसदी है और विकसित देशों में करीब 16.8फीसदी। यही कारण है कि कांग्रेस ने 18फीसदी की दर का सुझाव दिया था।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र ने उस समय यह तर्क दिया था कि कम दरें रखने से राज्यों को भारी नुकसान होगा, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार ने ऊंची दरों के जरिए उपभोक्ताओं से हर संभव पैसा वसूल किया है। उन्होंने आंकड़े दिए कि 2017-18 में जीएसटी से करीब 11 लाख करोड़ रुपए वसूले गए, जबकि 2024-25 में यह राशि बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुंच गई। चिदंबरम ने लेख में लिखा कि यह बोझ लोगों की जेब पर पड़ा, खपत घटी और घरेलू कर्ज बढ़ा। यही वजह थी कि जीएसटी को आम लोगों ने गब्बर सिंह टैक्स नाम से पुकारा।

केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने प्रदान किया 'गोल्डन बैनयन अवॉर्ड'

'हेरिटेज टूरिज्म- बेस्ट स्टेट' अवॉर्ड से सम्मानित हुआ मध्यप्रदेश

हेरिटेज वीक अवॉर्ड्स 2025: दिल्ली में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड को मिला सम्मान

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) को हेरिटेज वीक अवॉर्ड्स 2025 में हेरिटेज टूरिज्म बेस्ट स्टेट श्रेणी में प्रतिष्ठित गोल्डन बैनयन अवॉर्ड से सम्मानित किया। यह सम्मान नई दिल्ली में 13 सितम्बर को आयोजित हेरीटेज अवॉर्ड्स समारोह में प्रदान किया गया। यह सम्मान मध्यप्रदेश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत मध्यप्रदेश ने अपनी सांस्कृतिक विरासत और स्थापत्य धरोहर के संरक्षण व संवर्धन में उल्लेखनीय पहल की है। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत की सभ्यता का जीवंत प्रतीक है। खजुराहो के भव्य मंदिर, ग्वालियर के ऐतिहासिक किले और महेश्वर के घाट हमारी धरोहर की कालातीत गरिमा और सतत प्रासंगिकता को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश धरोहर संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए पर्यटन आधारित विकास का सशक्त माध्यम बना रहा है।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यह अवॉर्ड मध्यप्रदेश की उस सोच का प्रमाण है, जिसके तहत हम अपनी धरोहर को सुरक्षित रखते हुए यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि स्थानीय लोगों को पर्यटन से सीधा लाभ मिले। हमारा ध्यान ऐतिहासिक स्थलों के नए उपयोग, परंपराओं और संस्कृति के संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटक भागीदारी पर रहा है। सम्मान हमें और प्रेरणा देता है कि मध्यप्रदेश को भारत का प्रमुख हेरिटेज डेस्टिनेशन बनाया जाए, जहां हर स्मारक एक कहानी कहे और हर परंपरा अपनी पहचान के साथ जीवित रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विरासत से विकास तक के मंत्र को साकार करता मध्यप्रदेश आज न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेज रहा है, बल्कि उसे समकालीन विकास से भी जोड़ रहा है। राज्य की पहचान विश्व धरोहर स्थलों के संरक्षण में अग्रणी रूप में स्थापित हो रही है। मध्यप्रदेश की तीन स्थायी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल — खजुराहो समूह के मंदिर, भीमबेटका शैलचित्र स्थल, और सांची स्तूप-इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गहराई को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त खजुराहो, ओरछा, मांडू और चंदेरी जैसे ऐतिहासिक नगरों का संरक्षण और संवर्धन इस दिशा में एक सशक्त उदाहरण है। मध्यप्रदेश में कुल 18 स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहरें हैं, जो इसकी विरासत के वैश्विक महत्व को रेखांकित करते हैं। ग्वालियर को यूनेस्को द्वारा संगीत नगरी के रूप में दी गई अंतर्राष्ट्रीय पहचान, राज्य के सांगीतिक और सांस्कृतिक योगदान को वैश्विक मंच पर स्थापित करती है। सरकार द्वारा पुरातात्विक स्थलों पर संरचनात्मक संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं का विकास और डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर विरासत को आम जनमानस से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग में भारत को दो दिन में दो गोल्ड

मीनाक्षी ने तीन बार की विश्व विजेता को हराया

जैस्मिन भी बनी चैंपियन

एजेंसी | लिवरपूल

भारत ने इंग्लैंड में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीत लिया है। रविवार को मीनाक्षी ने 48द्यद्द वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में 3 बार की विश्व विजेता कजाकिस्तान की नजिम काईजीबे को 4-1 से हराया। मीनाक्षी इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय बॉक्सर हैं।

मीनाक्षी से पहले जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम में पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से मात दी। इसी के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में भारत ने चौथा मेडल जीत लिया है। इनमें एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज भी शामिल हैं। नूपुर 80 किलोग्राम का फाइनल मुकाबला हार गईं। जबकि पूजा रानी को 80 किलोग्राम में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारत के वर्ल्ड चैंपियन की संख्या डबल डिजिट में पहुंची

मीनाक्षी के इस गोल्ड के साथ भारत के वर्ल्ड चैंपियंस की संख्या डबल डिजिट में पहुंच गई है। वे वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप की विमेंस कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की 10वीं मुक्केबाज हैं। मीनाक्षी ने भारत को टूर्नामेंट के इतिहास में विमेंस कैटेगरी का 16वां गोल्ड दिलाया है।

बिहार के ताजा सर्वे में नीतीश के लिए संकट

लेकिन राजद और कांग्रेस को लेकर संशय

एजेंसी | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा भले ही अभी होना बाकी हो, लेकिन प्रदेश का राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। विभिन्न सर्वे एजेंसियां लगातार मतदाताओं का मूड जानने की कोशिश में जुटी हैं। इसी क्रम में एक ताजा सर्वे कई चौंकाने वाले नतीजे सामने आए है। 3 से 10 सितंबर के बीच हुए सर्वे में कुल 5635 सैंपल शामिल किए गए। यह सर्वे इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसके ठीक पहले राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा बिहार के 22 से अधिक जिलों में संपन्न हुई थी, इसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ शामिल रहे। सर्वे में शामिल सैंपल के सामाजिक और भौगोलिक आधार पर पुरुषों की भागीदारी 52 प्रतिशत और महिलाओं की 48 प्रतिशत रही। जातिगत आधार पर 20 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 2 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 44 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 16 प्रतिशत सवर्ण हिंदू और 18 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता शामिल रहे।

वहीं, भौगोलिक रूप से 30 प्रतिशत शहरी और 70 प्रतिशत ग्रामीण मतदाताओं से बातचीत की गई। सबसे अहम सवाल यह था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को लेकर जनता का रुझान कैसा है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में सत्ता विरोधी लहर तेज दिखाई दे रही है। 48 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि वे मौजूदा सरकार से नाराज हैं, जबकि 27.1 प्रतिशत लोग अब भी नीतिश बाबू के साथ हैं।

सिलीगुड़ी में भूकंप के तेज झटके, कई पड़ोसी देशों में भी महसूस हुए झटके

एजेंसी | नई दिल्ली/सिलीगुड़ी

रविवार शाम पूर्वोत्तर भारत में आए तेज़ भूकंप ने उत्तर बंगाल से लेकर दिल्ली तक लोगों को दहशत में डाल दिया। शाम करीब 4:41 बजे महसूस किए गए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 दर्ज की गई। इसका केंद्र असम के धेकियाजुली से 16 किलोमीटर दूर था। जानकारी अनुसार भूकंप के झटके न केवल भारत के कई हिस्सों में बल्कि नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार और चीन तक महसूस किए गए। भूकंप के झटकों के बाद लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, असम के ऊपरी इलाके में केंद्रित इस भूकंप का असर विशेष रूप से सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और उत्तर बंगाल के अन्य जिलों में देखा गया। भूकंप के तेज झटकों के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन ने राहत और बचाव दलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अब तक किसी भी तरह के बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

नेपाल हिंसा मारे गए लोग शहीद कहलाएंगे, नेपाल हिंसा में 3 पूर्व पीएम बेघर, घर ढूंढ रहे समर्थक

अंतरिम पीएम बोलीं- पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा देंगे; मृतकों का आंकड़ा 72 हुआ

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि Gen-Z आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपए का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है। कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा, नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। कार्की बोलीं, मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितंबर को पीएम पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी।

नेपाल हिंसा में 3 पूर्व पीएम बेघर, घर ढूंढ रहे समर्थक: हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं।

Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने 9 सितंबर को इनके घरों को फूंक डाला था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बाहर के शहरों जैसे पोखरा में रहना चाहते हैं, ताकि फिर से Gen-Z के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े।

Gen-Z नेता बोले थे- सरकार में शामिल नहीं होंगे, लेकिन निगरानी करेंगे

शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद भंग करने का भी ऐलान किया था। पूर्व पीएम केपी ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ने इस फैसला का विरोध किया है। UML महासचिव शंकर पोखरेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से इसके खिलाफ सड़कों पर उतरने की अपील की है। वहीं, Gen-Z नेताओं ने इस सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उनका कहना है कि वे सरकार में शामिल नहीं होंगे, लेकिन सरकार के कामकाज की निगरानी करेंगे। वहीं, नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराए जाएंगे।

पीएम मोदी ने शनिवार को कहा कि सुशीला कार्की की नेपाल की अंतरिम पीएम के रूप में नियुक्ति महिला सशक्तीकरण का प्रतीक है। नेपाल की जनता ने मुश्किल समय में लोकतंत्र में भरोसा रखा, भारत हमेशा उनके साथ है। अब नेपाल के पुनर्निर्माण में युवाओं को जुटना होगा।

इंदौर, जबलपुर संभाग में भी गिरा पानी; एमपी में नया सिस्टम, अगले 3 दिन तेज बारिश

भोपाल में बारिश, आज 8 जिलों में अलर्ट

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में बारिश का नया सिस्टम एक्टिव हो गया है। एक मानसून टर्फ प्रदेश के बीच में से गुजर रही है। इसके चलते इंदौर, भोपाल, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में असर देखने को मिलेगा। रविवार को भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहा। भोपाल में दोपहर में करीब एक घंटा तेज बारिश हुई। जबलपुर, बैतूल, पचमढ़ी, राजगढ़ में भी बारिश का दौर चला। नर्मदापुरम के इटारसी में भी तेज पानी गिरा।

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में मानसून टर्फ की एक्टीविटी देखने को मिली। वहीं अन्य सिस्टम भी एक्टिव है। इसके चलते रविवार को कई जिलों में बारिश हुई। अगले 24 घंटे के दौरान भी तेज बारिश होने के आसार है।

कोटे से 4.4 इंच ज्यादा बारिश

प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 41.9 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 34.5 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.4 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है। 4.9 इंच पानी ज्यादा गिर गया है।

एमपी में अब तक 41.9 इंच बारिश हुई: बता दें कि प्रदेश में अब तक औसत 41.9 इंच बारिश हो चुकी है, जो कोटे से 11 प्रतिशत अधिक है। 30 से ज्यादा जिलों में सामान्य बारिश का कोटा फुल हो चुका है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में हाल बुरे हैं। 15 में से 5 जिले-खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, शाजापुर और बड़वानी में 27 इंच पानी भी नहीं गिरा है।

30 जिले-भोपाल, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, अलीराजपुर, बड़वानी, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना और उमरिया में बारिश का कोटा फुल हो चुका है। कई जिले ऐसे हैं, जहां आंकड़ा डेढ़ सौ प्रतिशत के पार है। श्योपुर में कुल 213 प्रतिशत पानी गिर चुका है।

मरने वालों में 18 महीने का बच्चा भी शामिल, मंडला में उल्टी-दस्त की शिकायत

बीमारी से एक परिवार के 4 लोगों की मौत

नगर प्रतिनिधि | मंडला

मंडला में उल्टी-दस्त से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। तीन की मौत दो दिन में हुई है। मरने वालों में 18 महीने का बच्चा भी शामिल है। बताया जाता है कि सभी को डायरिया हुआ था। परिवार में अन्य लोगों की हालत भी खराब है। घटना घुघरी तहसील के लाफन ग्राम पंचायत के सिमरिया गांव की है।

मृतकों में मुन्ना केराम (48), नरवदिया केराम (68), देवीसिंह केराम (44) और 18 महीने का आदित्य (अमरसिंह केराम का पुत्र) शामिल हैं। सबसे पहले तीन दिन पूर्व आदित्य शामिल हैं। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम भी जांच के लिए गांव पहुंची है। परिवार और गांव के अन्य लोगों की जांच की जा रही है। फिलहाल यह सामने नहीं आया है कि डायरिया किस कारण फैला है। मौके पर बीएमओ डॉ. नीरज राज, एसडीएम हुनेन्द्र घोरमारे, पीएचई एसडीओ जोशी मौजूद हैं।

एक की मौत आज हुई थी

देवीसिंह की बेटी राजेश्वरी ने बताया कि 8 सितंबर को रिश्ते के छोटे भाई और 18 महीने की दोपहर 3 बजे आदित्य को उल्टी-दस्त हुए। शाम 5 बजे अचानक झटके आए और मौत हो गई। उस वक्त की मां खेत पर थी। इसके बाद 13 सितंबर को मेरे बड़े पापा मुन्ना केराम और दादी नरबदिया केराम को उल्टी दस्त हुए। दोनों को निजी अस्पताल में दिखाया, लेकिन असर नहीं हुआ। इसी दिन दोनों ने दम तोड़ दिया। इस दौरान पिता देवीसिंह केराम को भी उल्टी दस्त होने लगे। उन्हें बिछिया में भर्ती कराया गया था। रविवार यानी 14 सितंबर को उनकी मौत हो गई।

दूषित पानी हो सकता है कारण

बीएमओ डॉक्टर नीरज राज का कहना है कि घर में मौजूद मरीजों के सैंपल लेकर जांच के लिए मंडला भेजेंगे हैं। परिवार की रमकी बाई को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जांच के बाद ही कारण सामने आएगा। गांव के लोग कुएं का पानी पीते हैं। दूषित पानी भी कारण हो सकता है। एक हफ्ते तक टीम गांव में रहकर सर्वे करेगी। विधायक नारायण सिंह पट्टा भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि खुले क्षेत्र का पानी पीना पड़ रहा है। शुद्ध पेयजल नहीं मिलने से संक्रमण हो रहा है। अस्पताल में भी स्टॉफ डॉक्टर नहीं है।

संपाकीय

नेपाल की चुनौती

नेपाल में जेन-जेड ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, अब वक्त है उसे अंजाम तक ले जाने का। हिंसा और अराजकता की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार संभालने के लिए चर्चा में कई नाम हैं और इनमें से किसी एक पर सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

इसमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाली सेना की भूमिका अहम हो जाती है। अच्छी बात यह है कि सड़कों पर आक्रोश जताने वाली नई पीढ़ी अब संवाद की तरफ बढ़ रही है। जेन-जेड ने इतना बड़ा आंदोलन बिना किसी चेहरे के खड़ा किया। यह भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और सरकार की नाकामी से उपजा गुस्सा था, जिसके चलते युवा सड़कों पर उतरते चले गए। उन्होंने केपीएस ओली की सरकार को तो उखाड़ दिया, लेकिन अब देश को नया नेतृत्व चाहिए। युवाओं को मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं और इसलिए वे बाहर से किसी ईमानदार छवि वाले शख्स को चाहते हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था को बहाल करने की होगी। अभी पूरे देश में सेना ने कमान संभाल रखी है, हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

नेपाल पहले भी इस तरह का संकट देख चुका है और कोई नहीं चाहता कि वैसी स्थिति दोबारा बने। दूसरी चुनौती होगी जितनी जल्दी हो सके, निष्पक्ष चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की। राजनेताओं और मौजूदा राजनीतिक पार्टियों को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी को भागीदारी से रोका नहीं जा सकता। देखना होगा कि अंतरिम सरकार कैसे बैलेंस बनाती है। संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा । नेपाल में कुछ अरसे से राजशाही की वापसी की मांग चल रही है। इस आंदोलन के दौरान भी यह चर्चा फिर जोर पकड़ी। हालांकि इसे सकारात्मक माना जाना चाहिए कि राजनेताओं के प्रति अविश्वास के बावजूद जेन जेड का भरोसा संवैधानिक व्यवस्था में बना हुआ है। हालांकि वे 2015 के संविधान में संशोधन की मांग कर रहे हैं। नेपाल का लोकतंत्र अभी दो दशक पुराना भी नहीं हुआ और दुर्भाग्य से इतने कम समय में ही इस देश ने चुनावी राजनीति की सारी बुराइयां देख लीं। जेन जेड का आक्रोश बरसों से जनता के मन में दबे असंतोष का परिणाम है। यह वो पॉइंट है, जहां लिया गया हर एक फैसला नेपाल का भविष्य तय करेगा। और किसी भी फैसले में आम लोगों की आकांक्षाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने घोषणा की राममंदिर जाति-भेद का नहीं, समरसता और समर्पण का प्रतीक होगा। यह शिला हिंदू समाज की एकता की नींव बनेगी।उस दिन की शिला ईंट नहीं, एकता की आधारशिला थी। पत्थर नहीं, परस्पर प्रेम का प्रतीक थी। 1990 की कारसेवा में अयोध्या को सैनिक छावनी में बदलकर जब मुलायम सिंह यादव ने कहा कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता तो उस परिंदे के पंखों में प्राण-शक्ति फूंकने वाले महंत अवेद्यनाथ जी ही थे। जब पुलिस की गोलियां कारसेवकों पर बरसीं, तब भी महंतश्री का संकल्प अडिग रहा। 30 अक्टूबर 1991 को कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका उद्घोष गूंजा कि राम मंदिर किसी की दया से नहीं, हिंदुओं के शौर्य से बनेगा। उनके इस वचन ने आंदोलन को अमराग्नि की ज्वाला में बदल दिया।

राष्ट्रसंत की राष्ट्र आराधना का सनातन पथ

(प्रणय विक्रम सिंह)

समाज के आकाश में जब-जब अंधकार के बादल गहराए, जब अन्याय और असमानता की आंधियां जनमानस को झकझोरने लगीं, और जब सनातन संस्कृति की सरिता पर संक्रमण की छाया छाने लगी, तब कोई संत दीप बनकर दिशा दिखाने आता है, ज्योति बनकर जनपथ को आलोकित करता है। राष्ट्रसंत, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज वही दिव्य दीप थे, जो स्वयं जलकर भी युगों तक समूचे समाज को उजियारा देते रहे।

वे उस दीपशिखा की तरह थे, जो तमस को तपाकर प्रकाश में बदल देती है। उस पावन गंगा-धारा की तरह, जो ऊंच-नीच की शिलाओं को चीरकर समरसता का समतल रचती है। और उस वज्र-संकल्प जैसे, जो राममंदिर आंदोलन के रण में आस्था को विजय का वरण कराता है।

हिमालय की उपत्यकाओं में 1921 में जन्मे कृपाल सिंह बिष्ट ने समय की धाराओं को चीरते हुए गोरक्षपीठ के महंत अवेद्यनाथ का रूप धारण किया। गुरु महंत दिग्विजयनाथ से मिली विरासत केवल मठ की परंपरा नहीं, बल्कि धर्म, समाज और राष्ट्र की दिशा दिखाने का दायित्व था। अवेद्यनाथ जी ने इस पावन ध्वज को न केवल संभाला, बल्कि उसे आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे तपस्वी भी थे और तर्कशक्ति से परिपूर्ण योद्धा भी। समाज के सेवक भी थे और राष्ट्रधर्म के संगठक भी।

सामाजिक समरसता के साधक - भेदभाव के विरुद्ध भव्य पुकार

महंत अवेद्यनाथ जी ने गोरक्षपीठ को केवल साधना और उपासना का केंद्र नहीं रहने दिया, बल्कि उसे सेवा, संस्कार और समरसता का सशक्त सेतु बना दिया। मीनाक्षीपुरम में हुए सामूहिक धर्मांतरण ने उनके अंतर्मन को गहराई तक उद्वेलित किया। यह आघात केवल आस्था पर आक्रमण नहीं था, बल्कि समाज की संवेदना पर असमानता का असहनीय आघात था। उसी क्षण उन्होंने प्रण किया कि भेदभाव की दीवार ढहाना और भाईचारे की बुनियाद गढ़ना ही उनकी तपस्या होगी।

उन्होंने समाज को यह स्मरण कराया कि सनातन की मूल आत्मा ही समरसता है। वह संस्कृति, जो प्राणि मात्र से प्रेम का संदेश देती है, और वह जीवन-पद्धति, जो नर-सेवा को नारायण-सेवा के समतुल्य मानती है, उसमें छुआछूत और ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसी दृष्टि से आरंभ हुआ सहभोज का समरस अभियान।

वे स्वयं दलित बस्तियों में पहुंचे, संतों और आचार्यों को साथ लेकर वंचित समाज के बीच बैठे, और थालियों में प्रेम परोसकर समानता का संदेश दिया। काशी में डोमराजा के घर संत-महात्माओं के संग भोजन करना केवल परंपरा को चुनौती देना नहीं था, बल्कि यह शताब्दियों से जमी विषमता पर वज्राघात और समानता की संजीवनी, समरसता की सरस्वती का सजीव उद्घोष था। गोरखपुर और पूर्वांचल के गांवों में जब उन्होंने सहभोज किया, तो वह भोजन नहीं रहा, वह बंधुत्व का बिगुल और भाईचारे का ब्रह्मनाद बन गया।

वे बार-बार स्मरण कराते थे कि श्रीराम ने शबरी के बेर स्वीकारे, निषादराज को गले लगाया और जटायु का संस्कार किया, यही है समरस समाज का सनातन संदेश।

उनकी दृष्टि में दुर्गा की आठ भुजाएं केवल दैवीय आयुध नहीं थीं, बल्कि समाज के चारों वर्णों की संयुक्त शक्ति का प्रतीक थीं। वे कहा करते थे कि जब वर्ण मिलेंगे, वर्ग संगठित होंगे और समाज एक सूत्र में बंधेगा, तभी वह दुर्गा-शक्ति की भांति दुर्जेय और अजेय बनेगा।

इस प्रकार महंत अवेद्यनाथ जी का प्रत्येक कार्य भेदभाव के विरुद्ध भव्य पुकार, प्रत्येक अभियान समरसता का सशक्त संदेश और प्रत्येक संकल्प समानता के संग्राम का साक्षी था।

छुआछूत की जड़ें जलाकर,
समरसता का दीप जलाया।
भेद मिटाकर, भक्ति मिलाकर,
बंधुत्व का बिगुल बजाया॥
नर-सेवा में नारायण देखा,
प्राणि-मात्र में परमात्मा पाया।
महंत अवेद्यनाथ ने जीवनभर,
सनातन का सन्देश सुनाया॥

राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत - आस्था के अरुणोदय

महंत दिग्विजयनाथ जी से मिली परंपरा को महंत अवेद्यनाथ जी ने संकल्प की सरिता और संघर्ष की सरस्वती में रूपांतरित कर दिया। यह केवल विरासत का निर्वाह नहीं था, बल्कि उसे जन-जन की चेतना और राष्ट्र की धड़कन में बदल देने का संकल्प था। उनका योगदान संगठनात्मक कौशल से कहीं आगे, समाज की आत्मा को जाग्रत करने का अभियान था।

सन 1984 में जब श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ, तो महंत अवेद्यनाथ सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए। उद्घाटन सभा में उनका उद्घोष गूंजा राम केवल अयोध्या के राजा नहीं, वे भारत की आत्मा हैं। जब तक जन्मभूमि बंधनमुक्त नहीं होगी, तब तक यह आत्मा चैन से नहीं बैठ सकती।

उनकी पुकार पर शैव और वैष्णव, संत और महात्मा, धर्माचार्य और तपस्वी सभी एक मंच पर संगठित हुए। यह दृश्य ऐसा था, मानो विभिन्न नदियां मिलकर गंगा का रूप ले रही हों।

1986 में जब अदालत के आदेश से रामलला का ताला खुला, तो यह केवल एक ताले का खुलना नहीं था, बल्कि शताब्दियों से जकड़ी आस्था का कपाट खुलना था। महंतश्री ने उसी समय घोषणा की आज अयोध्या में केवल द्वार नहीं खुले हैं, आज हिंदू समाज की आत्मा के बंधन टूटे हैं। उनका स्वर उस क्षण आस्था का आलोक बनकर पूरे राष्ट्र में फैल गया।

9 नवंबर 1989 को शिलान्यास का शुभक्षण आया। महंत अवेद्यनाथ जी ने पहली शिला रखने का सम्मान अनुसूचित जाति के साधक कामेश्वर चौपाल को दिया। यह केवल शिलान्यास नहीं, बल्कि समरसता का शंखनाद था। उन्होंने घोषणा की राममंदिर जाति-भेद का नहीं, समरसता और समर्पण का प्रतीक होगा। यह शिला हिंदू समाज की एकता की नींव बनेगी।उस दिन की शिला ईंट नहीं, एकता की आधारशिला थी। पत्थर नहीं, परस्पर प्रेम का प्रतीक थी।

1990 की कारसेवा में अयोध्या को सैनिक छावनी में बदलकर जब मुलायम सिंह यादव ने कहा कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता तो उस परिंदे के पंखों में प्राण-शक्ति फूंकने वाले महंत अवेद्यनाथ जी ही थे। जब पुलिस की गोलियां कारसेवकों पर बरसीं, तब भी महंतश्री का संकल्प अडिग रहा। 30 अक्टूबर 1991 को कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका उद्घोष गूंजा कि राम मंदिर किसी की दया से नहीं, हिंदुओं के शौर्य से बनेगा। उनके इस वचन ने आंदोलन को अमराग्नि की ज्वाला में बदल दिया।

और फिर 6 दिसंबर 1992 का दिन आया। जब विवादित ढांचा गिरा, तो यह केवल पत्थरों का ढेर नहीं टूटा, बल्कि युगों का बोझ ढहकर गिर पड़ा। भारत की आत्मा ने शताब्दियों बाद स्वाभिमान की सांस ली। उस क्षण का अग्रदूत भी यही गोरक्षपीठ और उसके महंतश्री थे। महंत अवेद्यनाथ जी ने उस ऐतिहासिक क्षण पर कहा कि आज अन्याय का प्रतीक टूटा है। कल इसी भूमि पर न्याय का मंदिर खड़ा होगा। रामलला का भव्य मंदिर बनकर रहेगा। यह इतिहास की नहीं, आस्था की प्रतिज्ञा है।

महंत अवेद्यनाथ जी का यह संघर्ष केवल ईंट और पत्थर का नहीं था। यह आस्था का आंदोलन था, समरसता का संग्राम था, सनातन का स्वाभिमान था। उनके शब्दों में राममंदिर का निर्माण केवल अयोध्या का नहीं, भारत की आत्मा का पुनर्जन्म है।

अवेद्यनाथ अडिग रहे,
टूटी ताले की रोक।
राममंदिर की ज्योति से,
जगमग भारत लोक।।

शिक्षा में संस्कार-बीज से वटवृक्ष तक

महंत दिग्विजयनाथ जी ने जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का बीज रोपा था, उसे महंत अवेद्यनाथ जी ने अपने परिश्रम, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प से वटवृक्ष में परिणत कर दिया। उनके लिए शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं थी, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला थी। वे मानते थे कि पुस्तकों में बंद ज्ञान अधूरा है, जब तक उसमें भारतीयता का भाव, राष्ट्रवाद की चेतना और संस्कारों की सुगंध न मिले। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को केवल कक्षा और पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उसमें सेवा, अनुशासन और संस्कृति का समावेश किया।

आज उनके प्रयत्नों का परिणाम है कि गोरक्षपीठ से संचालित पांच दर्जन से अधिक विद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी और चिकित्सा संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश की शिक्षा का मेरुदंड बने हुए हैं। इन संस्थानों से हर वर्ष हजारों छात्र- छात्राएं केवल डिग्रियां लेकर नहीं निकलते, बल्कि जीवन-मूल्यों, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना लेकर आगे बढ़ते हैं।

इन संस्थानों में शिक्षा का वातावरण केवल आधुनिक विषयों का अध्यापन नहीं करता, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा से भी जोड़ता है। तकनीकी और चिकित्सा महाविद्यालयों में जहां विज्ञान और शोध की साधना होती है, वहीं प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में प्रार्थना, योग, अनुशासन और राष्ट्रगान से बच्चों के भीतर 'नैतिकता और राष्ट्रीयता' का बीजारोपण किया जाता है।

ग्रामीण परिवेश से आए हजारों विद्यार्थियों ने यहां से शिक्षा पाकर प्रशासन, सेना, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाया है। इसी तरह गोरखपुर का महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज और गोरखपुर मेडिकल कॉलेज उत्तर भारत की उस शिक्षा-धारा के प्रतीक हैं, जहां आधुनिक विज्ञान और भारतीय संस्कार का संगम होता है।

महंत अवेद्यनाथ जी का यह प्रयास केवल संस्थानों की संख्या बढ़ाने का नहीं था, बल्कि शिक्षा को 'संस्कार और समर्पण की संजीवनी' बनाने का था। उनके लिए शिक्षा वही है, जो विद्या के साथ विनय और ज्ञान के साथ सेवा भी सिखाए।

राजनीति में साधुता - सत्ता नहीं, साधना का संकल्प

महंत अवेद्यनाथ जी का राजनीति में प्रवेश सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए नहीं था, बल्कि समाज को समरस और राष्ट्र को सशक्त करने के लिए था। वे मानते थे कि साधुता यदि समाज तक न पहुंचे और समाज-सुधार राजनीति में न बहे, तो धर्म अधूरा रह जाता है। उनकी राजनीति का लक्ष्य सिंहासन नहीं, सेवा थी। कुर्सी नहीं, कर्तव्य था। और शासन नहीं, शुचिता थी। इसीलिए वे कहते थे राजनीति यदि समाज-सुधार का साधन न बने, तो वह केवल स्वार्थ का साधन रह जाती है।

उन्होंने पांच बार उत्तर प्रदेश विधानसभा और चार बार लोकसभा में जनता का प्रतिनिधित्व किया। लेकिन उनका स्वर हमेशा सत्ता के गलियारों की गूंज से परे, जनसाधारण की वेदना का व्याख्यान रहा। वे संसद और विधानमंडल की बहसों में केवल क्षेत्रीय प्रश्न नहीं उठाते थे, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और समाज-सुधार का स्वर मुखर करते थे।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा में उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में उनका योगदान विशेष उल्लेखनीय रहा। उन्होंने संगठन को केवल राजनीतिक मंच नहीं रहने दिया, बल्कि उसे एक राष्ट्रधर्मी आंदोलन का रूप दिया। उनके नेतृत्व में महासभा ने शिक्षा के पुनर्जागरण, सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्रीय अखंडता को अपनी प्राथमिकताओं का केंद्र बनाया।

उनकी राजनीति में साधुता का संतुलन और संघर्ष की सजगता का अनूठा संगम था। वे न कभी स्वार्थ के लिए झुके, न कभी दबाव के लिए रुके। वे राजनीति को तपस्या मानते थे, जिसमें ईमानदारी धूप की तरह तपाती है और जनता का विश्वास गंगाजल की तरह पवित्र करता है।

उनकी छवि केवल संत-नेता की नहीं थी, बल्कि 'संत-सैनिक' की थी, जो लोकसभा के मंच पर भी उसी साहस से बोलते थे, जिस साहस से समाज की जटिलताओं का सामना करते थे।

महंत अवेद्यनाथ जी ने सिद्ध कर दिया कि संत राजनीति को भी साधना बना सकता है। उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा को संसद और विधानमंडल तक पहुंचाकर यह दिखा दिया कि जब नेतृत्व में सत्य, तप और सेवा हो, तो सत्ता भी साधना का साधन बन जाती है।

शिष्य निर्माण - योगी के रूप में युग-उपहार

यही आंदोलन, यही जनजागरण, यही संघर्ष वह भूमि थी जहां नियति ने नया इतिहास गढ़ा। महंत अवेद्यनाथ जी का सबसे बड़ा योगदान केवल अपने युग का नेतृत्व करना नहीं था, बल्कि आने वाले युग का नेतृत्व गढ़ना था। उन्होंने समझ लिया था कि संस्था, समाज और राष्ट्र का वैभव केवल वर्तमान पर निर्भर नहीं करता, उसका भविष्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी दूरदृष्टि से उन्होंने अजय सिंह बिष्ट को अपना शिष्य बनाया।

यह शिष्यत्व केवल धार्मिक संस्कार तक सीमित नहीं था, बल्कि उसमें सामाजिक सेवा की संवेदना और राजनीतिक नेतृत्व की सजगता भी थी। महंत अवेद्यनाथ जी ने उन्हें तप और त्याग की शिक्षा दी, संघर्ष और समरसता की साधना कराई, और साथ ही समाज व राष्ट्र के व्यापक नेतृत्व के लिए तैयार किया।

आज वही शिष्य योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। वे गुरु के आदर्शों को केवल मठ की परंपरा में नहीं, बल्कि शासन और समाज की नीतियों में साकार कर रहे हैं। कानून-व्यवस्था से लेकर शिक्षा, संस्कृति और विकास की योजनाओं में गुरु का मार्गदर्शन उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है।

यह गुरु-शिष्य परंपरा का एक अद्वितीय उदाहरण है, जहां गुरु ने केवल शिष्य को नहीं गढ़ा, बल्कि आने वाले समय के लिए संपूर्ण युग का उपहार दिया।

महंत अवेद्यनाथ जी का ब्रह्मलीन होना कोई सामान्य घटना नहीं था, यह तो मानो एक संत की इच्छा-मृत्यु थी। उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ के शब्दों में मेरे गुरुदेव की इच्छा थी कि वे अपने गुरु महंत दिग्विजयनाथ जी की पुण्यतिथि पर ही मंदिर में ब्रह्मलीन हों और हुआ भी वही।

योगी आदित्यनाथ जी ने अपने पूज्य गुरु जी के कान में कहा कि आप मंदिर में आ चुके हैं। और बड़े महाराज जी के चेहरे पर संतुष्टि की आभा झलक आई। आश्विन कृष्ण चतुर्थी (12 सितंबर 2014) को गोरखनाथ मंदिर में गुरु की स्मृति के दिन ही उन्होंने अंतिम श्वास ली।

विस्मृत करने वाली बात है कि 2001 में कैंसर से घिरे होने पर भी वे चौदह वर्षों तक जीवित रहे। यह केवल चिकित्सा का परिणाम नहीं, बल्कि साधना की सिद्धि और इच्छाशक्ति का चमत्कार था।

हिंदी मेरी मातृभाषा

आज हिंदी दिवस मना रहे है, 14सितंबर 1949 को संविधान सभा ने संकल्प पारित किया था हिंदी भारत की राजभाषा होगी , आजादी के बाद 26जनवरी सन 1950 को भारत पुर्ण गण राज्य बना।

14 सितंबर 1953 को संसद में हिंदी को राज भाषा का दर्जा दिया गया , आज भारत में 22 भाषा को राज भाषा का दर्जा प्राप्त है। भारत में हर 100 किलोमीटर में भाषा बोली बदल जाती है। हिंदी भाषी राज्य में तो शब्दो के उच्चारण बदल जाता है। भारत में एक अनुमान के अनुसार 77 प्रतिशत लोग हिंदी भाषा का इस्तेमाल करते है। फिर भी भारत में आजादी के 78 वर्षो के बाद भी भारत देश में राष्ट्र भाषा घोषित नही हो सका।

राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त जी की यह पंक्ति आज भी सटीक बैठती है

अंधकार है वहां जहां आदित्य नही है।
मुर्दा है वह देश जहां साहित्य नही है।

गांधी जी ने कहा था कि राष्ट्र भाषा के बिना देश गूंगा समान है।

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की कलम से *भाषा राष्ट्र की बुनियाद है* ।

हम खूब खुशियां मना ले हिंदी दिवस मना ले हिंदी का गुणगान कर ले हिंदी के प्रख्यात साहित्य कारों के कलम बद्ध रचनाओं का बखान कर ले,हिंदी की वृहद्ता का अनुसरण कर ले, हिंदी के विस्तार के लिए कार्यक्रम कर ले किंतु जब तक भारत में हिंदी को राष्ट्र भाषा के रूप अंगीकृत नही करेंगे,तब तक प्राथमिक रूप मे हिंदी की वृहदतता संकीर्ण रूप मे प्रदर्शित होते रहेगी।

आज की परिस्थिति मे भारत मे छोटे छोटे गाँव कस्बों खोले गए हिंदी माध्यम की प्राथमिक शाला बंद हो रहे हैं या अन्य शाला मे संविलियन किया जा रहा है कारण आजादी के पूर्व मैकाले के द्वारा भारत मे थोपी गईं शिक्षा नीति जिसमे अंग्रेजी क़ो बढ़ावा देते हुए भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति गुरुकुल क़ो तहस नहस करने की व्यवस्था की गई।

अब आजादी के अठहत्तर वर्ष बाद गाँव शहर मे बच्चों क़ो अंग्रेजी माध्यम के शाला पढ़ाने की सोच प्रबल हो गई।

मैकाले की नीति आज वृह्द रूप मे भारत मे मकड़ी की जाल की तरह फ़ैल चुकी है।

आज हिंदी माध्यम की प्राथमिक शालाये शासन को बंद करने का निर्णय लेना पड़ रहा है। यह हिंदी के विकास और भारत देश की अस्मिता पर विपरीत प्रभाव है।

गजेंद्र बख्शी अधिवक्ता
32 रिद्धि सिद्धि कालोनी फेस 3
राजनादगांव

सी.पी. राधाकृष्णन- एक नये अध्याय की शुरुआत

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है।

(ललित गर्ग)

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से

डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे। सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए। राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

-(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बारिश में बिगड़ गई स्मार्ट सिटी की सूरत

परेशानी का कारण बन रही गड्ढ़ों में तब्दील हुई सडकें

भोपाल। स्मार्ट शहर की सूरत बदरूप नजर आने लगी है। बरसात के कारण प्रमुख सडकें जहां गड्ढ़ों में तब्दील हो गई हैं। वहीं धूल उड़ाते हुए यह दुर्घटना का कारण भी बनने लगी है। फिलहाल इससे राहत के आसार नहीं है। जिम्मेदार इन सडकों के संधारण के लिये बारिश समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल शहर की करीब 30 प्रतिशत सडकें ऊबड़-खाबड़ हो गई है। पानी निकासी के अभाव में सडक की ऊपरी परत उखड? बाद बने गड्ढ़े और आसपास फैली बजरी जहां सुचारू यातायात में बाधा है। वहीं दूसरी ओर यह दुर्घटना का कारण बन रही है। इतना ही नहीं फरार्टे भरते वाहनों की वजह से उड? वाली धूल प्रदूषण को बढ़ा रही है। इसके बाद भी प्रशासन सिर्फ गड्ढ़े भरने का दावा कर रहा है। इधर इसको मुद्दा बनाते हुए कांग्रेस सरकार व जनता का ध्यान आकर्षित करने लगातार प्रदर्शन रही है। करोंद क्षेत्र में प्रदर्शन के बाद ऐशबाग इलाके में तो खराब सडक की अवधि गिनते हुए जन्मदिन तक मनाया जा चुका है। बावजूद इसके प्रभारी एसई नगर निगम सुबोध जैन का कहना है कि गड्ढ़ों को भरा जा रहा है। डॉमर और कंक्रीट का काम तो बारिश के बाद ही शुरू होगा। जहां तहां खराब है सडकें रायसेन रोड पर इंद्रपुरी, आनंदनगर तक कहीं-कहीं सडक पर गड्ढे हैं। प्रभात चौराहे तक यह स्थिति बनी हुई है। यहां से रेल्वे स्टेशन को जाने वाली 80 फीट सडक भी जर्जर हो चुकी है। इसका संधारण राजधानी परियोजना प्रशासन के जिम्मे है। इसमें तो महापौर मालती राय के घर के सामने ही खराब होकर सडक दो भागों में बंट गई है। मैदामिल मेट्रो स्टेशन से लेकर जींसी चौराहा को जोडने वाली सडक भी कम खराब नहीं है। सडक निर्माण दूर गड्ढ़े भी भर पाये इधर प्रशासन के हालात यह हैं कि सडक निर्माण तो दूर इनमें बने गड्ढ़े भी वह पूरी तरह नहीं भर पाया है। शहर में नगर निगम की करीब 3500 किमी की सडक है। इसमें लगभग 30 प्रतिशत से अधिक सडक खराब बताई जाती है। इनकी मरम्मत के लिये करीब 100 करोड़ की आवश्यकता समझी जा रही है। किसके पास कितनी सडक शहर में करीब 4 हजार किमी की सडक है। इसमें सर्वाधिक 2900 किमी नगर निगम के पास है। वहीं 527 किमी सडकें बीडीए, हाउसिंग बोर्ड, नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवे के जिम्मे है। इसके साथ ही 530 किमी सडकें पीडब्ल्यूडी और 85 किमी की सडकें संभालने का जिम्मा सीपीए का है।

मप्र में 40-40 हजार में बिक रहे स्क्रैप सर्टिफिकेट

- सरकार की स्क्रैप पालिसी को पलीता लगा रहे बाहरी राज्यों के वेंडर

भोपाल। कंडम और समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को आफ रोड करने को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने स्क्रैप पॉलिसी में बदलाव करने की घोषणा की है। उपभोक्ताओं को नए वाहन खरीदते समय पुराने वाहन को स्क्रैप कराने पर रोड टैक्स में 25 के बजाय 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इस फैसले का फायदा उठाने के लिए आसपास के राज्यों के वेंडर सक्रिय हो गए हैं। ये वेंडर गाड़ी को अपने यहां स्क्रैप होना बताकर सर्टिफिकेट 40-40 हजार रुपये में बेच रहे हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दूसरे राज्यों में वाहन स्क्रैप का काम करने वाले वेंडर मप्र में सक्रिय होकर स्क्रैप सर्टिफिकेट का कारोबार कर रहे हैं, इससे मध्य प्रदेश की स्क्रैप पॉलिसी का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। इसका अर्थ है कि स्क्रैप पालिसी के तहत पुराने वाहनों के नष्ट होने का फायदा प्रदेश को मिलना चाहिए, वह इस प्रकार से स्क्रैप सर्टिफिकेट बेचे जाने से नहीं मिलेगा। नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर एक वेंडर ने बताया कि वह मप्र में हर माह 300 स्क्रैप सर्टिफिकेट उपलब्ध कराते हैं और प्रति सर्टिफिकेट 40 हजार लेते हैं,।

न्यूज. ब्रीफ

16 से जलक्रीड़ा का केंद्र बनेगा शहर

भोपाल। राजा भोज मल्टीक्लास सेलिंग चैम्पियनशिप 2025 का आगाज 16 राजधानी में सितंबर से हो रहा है। बड़ी झील (खानूगाँव) इसके बाद जलक्रीड़ा उत्सव का केंद्र नजर आएगा। यहां देशभर से राष्ट्रीय स्तर के नाविक अपने हुनर का परचम लहराएंगे। तेज हवाओं और ऊँचे उत्साह के बीच यह चैम्पियनशिप जलक्रीड़ा प्रेमियों के लिए रोमांच और प्रतिस्पर्धा का अनूठा संगम साबित होगी। आयोजन समिति का मानना है कि यह न केवल जलक्रीड़ा को नई पहचान देगा बल्कि युवाओं में साहस, रणनीति और खेल भावना को भी प्रोत्साहित करेगा।

राजा भोज एयरपोर्ट से शुरू होगी 4 फ्लाइट

भोपाल। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट से चार नई उड़ानें शुरू होने जा रही हैं। सोमवार से इंडिगो बेंगलुरु के लिए नई फ्लाइट शुरू करेगी। 16 सितंबर से दिल्ली के लिए नई उड़ान मिलेगी।राजा भोज एयरपोर्ट से चार नई फ्लाइट शुरू होगी। अहमदाबाद के लिए 21 सितंबर से सुबह और हैदराबाद के लिए 22 अक्टूबर से रात की नई फ्लाइट शुरू हो रही है। 16 सितंबर से एअर इंडिया की भोपाल-दिल्ली फ्लाइट एआई-2528 का टाइम बदलेगा। यह अब सुबह 8:05 बजे भोपाल से उड़ान भरेगी। दिल्ली से यह सुबह 7:35 बजे भोपाल पहुंचेगी। अभी यह भोपाल से सुबह 6:25 बजे उड़ान भरती है। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-7302 (भोपाल-रायपुर) 20 सितंबर से रोजाना चलेगी, जो अभी हफ्ते में तीन दिन चलती है। यह पहले की तरह सुबह 9:40 बजे भोपाल से रवाना होगी।

सरकार कब करेगी सैटेलाइट इमेजरीज का उपयोग

भोपाल (ईएमएस)। सरकार सैटेलाइट इमेजरीज का उपयोग कब सुनिश्चित करेगी। वन अधिकार पत्रों की पात्रता निर्धारण को लेकर यह पूछा है रिटा आईएफएस अधिकारी आजाद सिंह डबास ने। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने इसका उपयोग सुनिश्चित करने शासकीय आदेश जारी करने की मांग भी की है। इसके लिये विधानसभा में मंत्री विजयशाह के वक्तव्य का हवाला दिया है।दरअसल वनाधिकार पट्टो के वितरण के सबंध में विपक्ष द्वारा लाये गये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर विधानसभा के पिछले सत्र में हुई चर्चा के दौरान जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने बताया था कि वनाधिकार पत्रों के दावों को मानने या खारिज करने के लिए 2005 की स्थिति में सैटेलाइट इमेजरीजको आधार बनाया जाएगा। जिस पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी स्वीकृत जताई थी। बावजूद इसके माह भर बीतने के बाद भी यह व्यवस्था अमल में नहीं आ पाई है। इसके पीछे शासन आदेश नहीं जारी होना मुख्य कारण बना है।

दिशा की बैठक 16 को

भोपाल (ईएमएस)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 16 सितंबर को होगी। तय दिवस को शाम 4 बजे से होने वाली बैठक की अध्यक्षता सांसद आलोक शर्मा करेंगे। जिला पंचायत सभागार में होने वाली बैठक को जिपं सीईओ ने बताया कि बिजली कंपनी, जल संसाधन, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, स्मार्ट सिटी, आबकारी, प्रधानमंत्री सडक योजना, कृषि, सामाजिक न्याय, शिक्षा (पीएमपोषण) एवं अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से विभाग से संबंधित अधिकारियों को एजेंडा की जानकारी के साथ मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं।

चिकन-मटन वेस्ट से तैयार होगा पोल्ट्री और फिश फीड

- भोपाल में प्रदेश का पहला रेंडरिंग प्लांट शुरू, हर महीने 17 टन प्रोडक्शन

भोपाल। राजधानी भोपाल के आदमपुर छावनी में प्रदेश का पहला रेंडरिंग प्लांट पूरी तरह शुरू हो चुका है। इसमें चिकन-मटन वेस्ट से पोल्ट्री और फिश फीड तैयार किया जा रहा है। 5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस प्लांट से प्रति वर्ष लगभग 5 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होने और 50 से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। बीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि शहर की सभी चिकन-मटन, फिश दुकानों से वेस्ट कलेक्शन कर प्लांट भेजा जाता है। प्लांट में पशु अपशिष्ट को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते हैं। फिर इन टुकड़ों को गर्म करके सुखाया जाता है, ताकि नमी दूर की जा सके। इसके बाद बारीक पाउडर बनाया जाता है। इस पाउडर का उपयोग पोल्ट्री फार्म, फिश फार्म में चारे के रूप में किया जाता है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक वर्तमान में हर महीने लगभग 17 टन प्रोडक्शन हो रहा है। नगर निगम का दावा है कि मॉर्डन स्लॉटर हाऊस शुरू होने के बाद इसकी क्षमता 300 टन प्रोडक्शन हो जाएगी। पहले यह वेस्ट नगर निगम के लिए परेशानी था और ज्यादातर चिकन मटन बेचने वाले दुकानदार इसे नदी-तालाबों के किनारे फेंक देते थे। इस संयंत्र में प्रतिदिन 25 टन तक कचरे को संसाधित करने की क्षमता है। प्रत्येक 1 किलो कच्चे कचरे से लगभग 450 ग्राम उपयोगी उत्पाद उत्पन्न होता है। इससे बीएमसी को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये की आय की उम्मीद है। इस प्लांट में पहले से ही लगभग 50-60 लोग कार्यरत हैं। पशु अपशिष्ट का वैज्ञानिक निपटान प्रदूषण, दुर्गंध और स्वास्थ्य संबंधी खतरों को कम करता है।

शहर में 600 से अधिक चिकन मटन की दुकानें

गौरतलब है कि भोपाल शहर के अलग-अलग इलाकों में लगभग 600 से अधिक चिकन मटन की दुकानें हैं। इसके अलावा सडक किनारे भी बड़ी संख्या में फिश बेची जाती है। इन जगहों से निकलने वाला वेस्ट अब नगर निगम के लिए कमाई का जरिया बन गया है। हाल ही में निगम ने आमदपुर छावनी में प्रदेश का पहला रेंडरिंग प्लांट लगभग 5 करोड़ की लागत से लगाया है। जिस पर अब प्रोडक्शन शुरू हो गया है। अभी प्लांट में छोटी दुकानों से चिकन-मटन वेस्ट आ रहा है।

कृषि आधारित उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए लगाएं बहुउद्देशीय मेले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिया निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि आधारित उद्योगों के प्रचार-प्रसार के लिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा आपसी तालमेल से बहुउद्देशीय कृषि मेले आयोजित किए जाएं। इन मेलों में किसानों को उनकी फसल सहित अन्य सहायक उत्पादों के लाभयुक्त विक्रय एवं मार्केटिंग की जानकारियां भी दी जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार जिले के भैंसोला गांव में निर्मित हो रहे पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के कपास और रेशम उत्पादक किसानों की जीवन रेखा बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलने के साथ 1 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं 2 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मित्रा पार्क में निवेश करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों ने रुचि व्यक्त की है। जिस तेजी से पीएम मित्रा पार्क में निवेश के लिए कंपनियां आ रही हैं, यह हमें और बेहतर करने के लिए उत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क बनने से मालवा क्षेत्र के किसानों द्वारा उत्पादित कपास की खपत लोकल लेवल पर ही हो जाएगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और रॉ-मैटेरियल सप्लाई की एक पूरी चैन तैयार होगी। पीएम मित्रा पार्क प्रदेश के किसानों के लिए वरदान की तरह है। प्रदेश में निवेश करने के इच्छुक सभी निवेशकों का सरकार पलक पावड़े बिछाकर स्वागत करेगी। हम निवेशकों को सभी जरूरी मदद और सहयोग भी उपलब्ध कराऐंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सार्वजनिक/लोक उपक्रमों में निजी भागीदारी से ही देश का विकास संभव है। पीएम मित्रा पार्क में निवेशकों द्वारा किए जाने वाले पूंजी निवेश से जितनी उच्च कोटि के परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं, हर संभव प्रयास कर हम यह करके दिखाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क का प्रचार-प्रसार इस तरह किया जाए कि प्रदेश में मौजूद सभी प्रकार के कृषि आधारित उद्योग को भी भरपूर प्रोत्साहन मिले।

देश में कुल 7 पीएम मित्रा पार्क मंजूर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में कुल 7 पीएम मित्रा पार्क मंजूर किए गए हैं। जहां दूसरे राज्य पीएम मित्रा पार्क की स्थापना के लिए प्राथमिक तैयारियां ही कर रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से हमारी सरकार 17 सितंबर को धार जिले के भैंसोला गांव में देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन कराने जा रही है। उन्होंने कहा कि हम इसे देश का मॉडल पीएम मित्रा पार्क बनायेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क प्रदेश की कॉटन इंडस्ट्री को पुनर्स्थापित करेगा।

91 कंपनियों के आवेदन मंजूर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि देश के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल पार्क (पीएम मित्रा पार्क) में भूमिपूजन होने से पहले ही लैंड एलॉटमेंट की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। पीएम मित्रा पार्क में भूमि आवंटन के लिए 114 कंपनियों के आवेदन मिले थे। इन कंपनियों ने पीएम मित्रा पार्क में निवेश करने की प्रबल रुचि व्यक्त कर लैंड अलॉटमेंट के लिए के लिए आवेदन किया है। आवेदन करने वाली कंपनियों में से 91 कंपनियों के आवेदन मंजूर कर इन्हें लैंड एलॉटमेंट कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम मित्रा पार्क में लैंड अलॉटमेंट कमेटी द्वारा विभिन्न कंपनियों और निर्माण इकाइयों को कुल 1294.19 एकड़ भूमि आवंटित करने की अनुशंसा कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क में अधोसंरचना विकास के लिए सभी जरूरी निर्माण कार्य जारी हैं। इन निर्माण कार्यों के साथ लैंड अलॉटमेंट पाने वाली कंपनियों द्वारा अपने कारखाने और निर्माण इकाइयां भी समानांतर रूप से निर्मित की जाएंगी। इससे आने वाले एक से डेढ़ साल के दौरान ही निवेशक कंपनियों की निर्माण इकाइयों में उत्पादन भी प्रारंभ हो जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव वन, पर्यावरण तथा सहकरिता अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, सचिव किसान कल्याण एवं कृषि विकास निशांत बरवड़े, आयुक्त जनसंपर्क दीपक कुमार सक्सेना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

लक्ष्मण सिंह निकालेंगे समरसता पदयात्रा

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने मध्य प्रदेश में सामाजिक समरसता यात्रा निकालने की घोषणा की है। लक्ष्मण सिंह ने एक वीडियो के माध्यम से प्रदेशवासियों से यात्रा से जुडने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि चंद नेताओं ने अपने स्वार्थ के लिए भाई-भाई को अलग कर दिया है। लक्ष्मण सिंह ने वीडियो में कहा कि वह आरक्षण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अब तक 27 प्रतिशत आरक्षण लागू क्यों नहीं हो पाया, यह सवाल सबके मन में है। उन्होंने विधानसभा की प्रत्येक क्षेत्र में एक दिन पदयात्रा और अन्य स्थानों पर वाहन यात्रा करने का प्रस्ताव रखा। यात्रा का उद्देश्य समाज में एकता, समरसता और भाईचारे का संदेश देना है। एकता पर दिया जोर, भेदभाव दूर करने की अपील पूर्व सांसद ने कहा कि आज सभी देशवासियों को एकजुट रहने की जरूरत है। समाज में ऊंच-नीच, गरीबी-अमीरी के भेदभाव को छोडकर सबको एक मंच पर लाना है। मध्यप्रदेश को एक रखना है, देश को एक रखना है, ताकि भारत मजबूत बने। लक्ष्मण सिंह ने वीडियो में पड़ोसी राज्यों में हुई घटनाओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा- हमें उनसे सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समाज में चिंता का विषय है।

शिक्षकों को भी मिलेगा मोदी के मिशन कर्मयोगी का प्रशिक्षण

भोपाल। केन्द्र सरकार के निर्देश पर पीएम नरेंद्र मोदी के मिशन कर्मयोगी का प्रशिक्षण प्रदेश की राजधानी में 15 से 19 सितंबर तक आयोजित होगा। इसमें हरेक कर्मचारी की कार्यक्षमता बढ़ाने, योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रणाली आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण बढ़ाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने करीबन 2.30 लाख शिक्षकों का पंजीयन किया है। बता दें कि कर्मयोगी आईगॉट पर सीखें माड्यूल के तहत प्रदेश के 55 सरकारी विभागों को कर्मयोगी प्रशिक्षण दिया जाना है। राज्य सरकार के प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को न्यूनतम दो प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी है। इस क्रम में शिक्षकों को प्रशिक्षण देने को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने व्यापक निर्देश जारी कर दिया है। इस कार्य के लिए विभाग ने प्रत्येक जिले में जिला परियोजना समन्वयक और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाया है। प्रशिक्षण शेड्यूल को लेकर नरोन्हा प्रशासन अकादमी ने भी पहले ही जिला कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए थे। भोपाल के डीईओ नीरज अहिरवार ने बताया कि राजधानी समेत प्रदेश में 2 लाख 30 हजार शिक्षकों का आईगॉट पोर्टल पर प्रशिक्षण देने के लिए पंजीकरण किया गया है।

मप्र में 50.9 प्रतिशत महिलाएं-पुरुष अविवाहित

भोपाल। मप्र में अविवाहित रहने वाले युवक-युवतियों का आंकड़ा चौंकाने वाला है। प्रदेश में कुल 50.9 फीसदी महिलाएं पुरुष ऐसे हैं, जिन्होंने शादी ही नहीं की। इसमें पुरुषों का आंकड़ा 54.7 फीसदी है, जबकि अविवाहित रहने वाली महिलाएं 46.8 फीसदी हैं। चौंकाने वाला यह आंकड़ा सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम 2023 के हैं। बता दें कि भारत में जन्म और मृत्यु से संबंधित डाटा जुटाने के लिए 1969-70 में सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम यानी एसआरएस की शुरूआत हुई थी, ताकि सरकार को नीतियां बनाने में मदद मिल सके। मप्र में इस सर्वे के लिए 4 लाख लोगों को शामिल किया गया था। देश की कुल आबादी के 50.5 फीसदी लोग अविवाहित सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल आबादी के 50.5 फीसदी लोगों ने कभी विवाह ही नहीं किया। इसमें महिलाओं का प्रतिशत 45.3 फीसदी जबकि पुरुषों का प्रतिशत 55.4 फीसदी है। इसके अलावा 3.6 फीसदी विधवा, तलाकशुदा हैं। देश में बिहार में सबसे ज्यादा अविवाहित सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक देश में सबसे ज्यादा बिहार राज्य में 58.3 फीसदी अविवाहित हैं। जम्मू-कश्मीर में अविवाहितों का प्रतिशत 57.5 फीसदी है।

गौशाला में जन्मी बछिया का मोहन ने नाम रखा कमला

मुख्यमंत्री निवास की गौशाला में हुआ बछिया का जन्म

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास स्थित गौशाला में हाल ही में गाय ने बछिया को जन्म दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस सुखद अवसर पर हर्ष व्यक्त करते हुए नवजात बछिया का नामकरण किया। अब यह बछिया मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए नाम ''कमला'' से जानी जाएगी। यह मुख्यमंत्री निवास की गौशाला में जन्म लेने वाली पहली बछिया है। रविवार को महालक्ष्मी व्रत पूजन के दिन कमला का विशेष स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने इसे साक्षात लक्ष्मी का प्रतीक मानकर तिलक लगाकर और दुलार कर घर के आंगन में प्रवेश कराया। इस मौके पर निवास परिसर में मौजूद अधिकारी और कर्मचारियों को मिष्ठान्न वितरित किया गया। गौसेवा और संवर्धन पर जोर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौसेवा और पशुधन संवर्धन हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। सरकार इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने गौशाला में पहुंचकर प्रतिदिन की तरह सभी गायों को रोटी खिलाई और कमला को गोद में लेकर दुलार किया।

भोजपुरी भाषा का मप्र और बिहार से संबंध

अखिल भारतीय यादव महासभा बिहार के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम बोले

- राजा भोज परिवार के साथ पटना आए थे, हमारा उस काल का संबंध

भोपाल। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पटना में यादव महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम में ओबीसी कमीशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसराज अहीर, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री गजेन्द्र यादव, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामकृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया, कार्यक्रम के संयोजक अशोक यादव मौजूद थे। सीएम ने कहा कि सम्राट अशोक के काल में उज्जयिनी अर्थात महाजनपद के दो स्थान हुआ करते थे। एक पटना जिसे पाटलिपुत्र कहते हैं। दूसरा अवंतिका यानी उज्जयिनी था। वहां युवराज और यहां सम्राट बैठते थे। हमारा उस काल का संबंध है। सीएम ने कहा कि हमारा एक और संबंध है जिसे हम भोजपुरी भाषा से जोड़ते हैं। राजा भोज भी अतीत के काल में परिवार सहित इस बिहार की धरती पर आए। इसलिए भोजपुरी थोड़ा यहां की है थोड़ी हमारे वहां की है। बिहार का नाम भगवान कृष्ण के नाम पर भगवान कृष्ण के विचारों का सांस्कृतिक सम्मेलन विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- अगर पूरे देश में किसी राज्य का नाम भगवान कृष्ण के नाम पर है तो बिहार ही है। जब बिहार में आकर गोपाल कृष्ण की जय बोलते हैं तो इसका आनंद और बढ़ जाता है उनके जीवन को पक्षों को देखने के बाद जीवन जीने की ललक अलग प्रकार से दिखती है। मप्र के हर नगरीय निकाय में बना रहे गीता भवन सीएम ने कहा- हमारी सरकार ने हर नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद तक गीता भवन बनाने का निर्णय किया है। इतना ही नहीं भगवान कृष्ण की लीलाओं में द्वारिका मथुरा का महत्व है तो उनकी शिक्षा उज्जैन में हुई है। सांदीपनि गुरु का आश्रम उज्जैन में हैं। हमारे जितने उत्कृष्ट विद्यालय हैं हमने अपने गुरु को समर्पित 300 से ज्यदा सांदीपनि विद्यालयों शुरू कर रहे हैं।ऐसे एक नहीं कई काम हैं। जहां भगवान की लीला हुई उन स्थानों को तीर्थ बना रहे हैं। भगवान कृष्ण के गौरवशाली अतीत को देखें तो वे कंस से लड़े। 11 साल की छोटी आयु में बड़े से बड़े आदमी से लडने की हिम्मत अगर किसी में हो सकती है तो यदुकुल गौरव कृष्ण में ही हो सकती है।

पेड़ खुद बताएंगे अपनी पहचान

भोपाल में 100 हेक्टेयर में बनेगा अत्याधुनिक बायोडायवर्सिटी पार्क

भोपाल। यदि आपको पेड़-पौधों से लगाव है और आप उनके बारे में जानते नहीं है, तो अब आपको टेंशन लेने की जरुरत नहीं है। दरअसल राजधानी भोपाल में बनने वाले पहले बायोडायवर्सिटी पार्क में पेड़ खुद अपनी पहचान बताएंगे। यहां मौजूद हर पेड़-पौधों पर एक अलग क्यूआर कोड भी लगा होगा। यह क्यूआर कोड संबंधित पेड़ की उम्र और गुणों के साथ पूरी हिस्ट्री बता देगा। बता दें कि राजधानी में बनने वाले बायोडायवर्सिटी पार्क में मौजूद सभी पेड़-पौधों पर एक खास क्यूआर कोड लगा होगा। इसे मोबाइल से स्कैन करते ही एक लिंक सामने आएगी, जिसे क्लिक करते ही उस पेड़-पौधे की पूरी हिस्ट्री सामने आ जाएगी। बार कोड के माध्यम से पेड़-पौधे के नाम के साथ उनमें फल-फूल आने का समय, स्थानीय नाम, वानस्पतिक नाम, प्रजाति कहां-कहां पाई जाती है और इनके उपयोग के बारे में पूरी जानकारी एक साथ मिल जाएगी। देश का पहला सबसे बड़ा बायोडायवर्सिटी पार्क वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर भोपाल के शाहपुरा के आसपास 100 हेक्टेयर पहाड़ी जमीन पर बायोडायवर्सिटी पार्क बनाया जाएगा। शहर के बीचों बीच बनने वाला इतना बड़ा संभवत यह देश का पहला बायोडायवर्सिटी पार्क होगा।

संक्षिप्त समाचार

जन्म से तीन गुना ज्यादा मौतें, लाखों का पलायन; जंग के बाद भी नहीं उबर पाएगी यूक्रेन की आबादी?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन बीते तीन साल से भी अधिक समय से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। 24 फरवरी 2022 को रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया, तब दोनों पक्षों ने भी नहीं सोचा था कि यह युद्ध सालों तक चलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई वैश्विक नेताओं की कोशिशों के बावजूद अब तक युद्धविराम नहीं हो पाया है और जंग के निकट भविष्य में खत्म होने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में यूक्रेन की आबादी को लेकर कुछ हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इसके मुताबिक जंग से त्रस्त यूक्रेन के सामने एक अन्य बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करना और भी मुश्किल होगा। ईयू ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की आबादी बड़े संकट से गुजर रही है। युद्ध, बड़ी संख्या में लोगों का पलायन और गिरती जन्म दर की वजह से यूक्रेन की आबादी ऐतिहासिक रूप से कम हो गई है। यूक्रेन में इस मामले से जुड़े एक्सपर्ट्स इसे गंभीर समस्या बता रहे हैं। यूक्रेन इंस्टीट्यूट फॉर डेमोग्राफी एंड सोशल स्टडीज के अर्थशास्त्री अलेक्सांद्र ग्लैडुन के मुताबिक देश की जनसंख्या, जो 1990 के दशक की शुरुआत से घट रही है, न केवल रूस के साथ संघर्ष की वजह से, बल्कि दशकों से चली आ रही नीतियों से भी प्रभावित है। ग्लैडुन ने कहा है कि यूक्रेन ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जिनका सामना किसी अन्य देश ने पहले कभी नहीं किया है। ग्लैडुन के मुताबिक देश के सामने आए इस संकट के पीछे की सबसे बड़ी वजह पलायन है। 2022 से अब एक लगभग 70 लाख लोग, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं और बच्चे हैं, देश छोड़ चुके हैं। एक अनुमान के मुताबिक 4.3 मिलियन यूक्रेनी ने यूरोपीय यूनियन में शरण ले ली हैं। वहीं रूस के साथ जंग में हजारों यूक्रेनी मारे गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फरवरी 2025 में एक इंटरव्यू में कहा था कि इस जंग में अब तक 46,000 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक मारे गए। इसके अलावा हजारों सैनिक अब भी लापता हैं या रूसी जेलों में कैद में हैं।

यूएन महासभा में हमास-मुक्त फिलिस्तीनी देश के पक्ष में 142 देशों ने वोट दिया

लंदन, एजेंसी। महासभा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन को अपनाया, जिसमें दो-राष्ट्र समाधान को फिर से जिंदा करने की पहल की गई है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 142 देशों ने मतदान किया, जिनमें भारत भी शामिल रहा। अमेरिका सहित 10 देशों ने विरोध किया जबकि 12 ने मतदान से परहेज किया। इजराइल ने इस कदम को खारिज कर दिया। इजराइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, एक बार फिर, यह साबित हो गया है कि महासभा वास्तविकता से कितनी दूर एक राजनीतिक सर्कस है, इस प्रस्ताव में, एक बार भी इस बात का जिक्र नहीं है कि हमास एक आतंकवादी संगठन है। वही, फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा पेश इस प्रस्ताव में 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमलों की निंदा की गई है और संगठन से हथियार डालने व सभी बंधकों को रिहा करने की मांग की गई है।

यूनुस के मंत्री ने कहा-दुर्गा पूजा मेलों में गांजा-शराब.. हिंदू संगठन बोले- यहआपत्तिजनक और भड़काऊ

ढाका , एजेंसी। दुर्गा पूजा शुरू होने से पहले ही बांग्लादेश में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस सरकार के गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, जिसने हिंदू समुदाय को गहराई से आहत कर दिया। चौधरी ने कहा कि पूजा मेलों में गांजा और शराब का अड्डा लगता है, इसलिए इस बार बड़े मेले नहीं होंगे। हिंदू संगठनों का कहना है कि यह बयान उनकी आस्था पर हमला है और सरकार का रवैया उन्हें असुरक्षित महसूस करा रहा है। हिंदू संगठनों ने चौधरी की टिप्पणी को आपत्तिजनक और भड़काऊ बताया। उन्होंने कहा किदुर्गा पूजा हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है, इसे नशे से जोड़ना अपमान है। विसर्जन का समय शाम 7 बजे तक तय करने को धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। हिंदू संगठनों ने विरोध दर्ज कराने की कोशिश की। लेकिन ढाका प्रेस क्लब ने उन्हें बुकिंग देने से इनकार कर दिया।

बेला चाव-चाव... चार्ली किर्क के हत्यारे ने

गोली के खोलों पर उकेरे रहस्यमयी संदेश

यूटा , एजेंसी।
अमेरिकी कंजर्वेटिव कार्यकर्ता और टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक चार्ली किर्क की हत्या के मामले में 22 वर्षीय टायलर रॉबिन्सन को गिरफ्तार किया गया है। रॉबिन्सन कथित तौर पर किर्क के विचारों से गहरी नाराजगी रखता था और हाल के वर्षों में वह अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गया था। हत्या के 33 घंटे बाद एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया। इस मैनहंट के दौरान उसके परिवार ने ही उसे सरेंडर कराने में मदद की। जांचकर्ताओं को गोली के खोलों पर उकेरे गए संदेशों से उसके दिमाग की झलक मिली है, जो एंटी-फासीवादी नारों से लेकर मीम रेफरेंस तक फैले हुए हैं।

चार्ली किर्क की हत्या 11 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी (युवीयू) के एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां वह कंजर्वेटिव विचारों पर बोल रहे थे। काफी दूर एक छत से चलाई गई गोली ने किर्क को सीधे निशाना बनाया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यूटा गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या थी और रॉबिन्सन ने अकेले ही यह वारदात को अंजाम दिया।

जांच के दौरान राइफल के चैंबर में

मिले तीन अनफायर खोलों और एक फायर खोले पर विभिन्न संदेश उकेरे मिले, जो रॉबिन्सन के राजनीतिक और सांस्कृतिक झुकाव को दर्शाते हैं। यूटा गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन संदेशों का खुलासा किया। ओह बेला चाव, बेला चाव, बेला चाव चाव चाव। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली के एंटी-फासीवादी प्रतिरोध गीत का संदर्भ है। यह गीत मुसोलिनी शासन और नाजी कब्जे के खिलाफ पार्टिसन्स द्वारा गाया जाता था। इसका शाब्दिक अर्थ है अलविदा, सुंदर, लेकिन आज यह विद्रोह का वैश्विक प्रतीक बन चुका है। अगर आप यह पढ़ रहे हैं, तो आप गे हैं , जो एक व्यंग्यात्मक मीम-स्टाइल संदेश है।

नोटिसेस, बल्जेस, ओडब्ल्यूओ, व्हाट्स दिस? यह संदेश फर्री और रोलप्ले कम्युनिटीज से जुड़ा है, जो ऑनलाइन फ्लर्टिंग या अजीबोगरीब व्यवहार का वर्णन करता है। तीन नीचे की तीरें के साथ ऊपर और दाईं तीर का संयोजन गेम हेलडाइवर्स 2 के स्ट्रेटेजम इनपुट की ओर इशारा करता है, जो ईगल 500 किलो बम बुलाने के लिए इस्तेमाल होता है। यह एंटीफा के प्रतीक से असंबंधित है। इन संदेशों से पता चलता है कि रॉबिन्सन राजनीतिक असहिष्णुता के साथ-साथ इंटरनेट कल्चर और गेमिंग से प्रभावित था। बता दें कि एंटीफा का पूरा नाम एंटी-फासिस्ट है, जो एक ढीला-ढाला, गैर-केंद्रित आंदोलन है, जिसमें विभिन्न समूह और व्यक्ति शामिल हैं जो फासीवाद, नस्लवाद, श्वेत वर्चस्ववाद और अन्य दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधाराओं का विरोध करते हैं। यह कोई औपचारिक संगठन नहीं है, बल्कि एक विचारधारा और कार्यप्रणाली है, जो आमतौर पर बाएं-झुकाव वाली राजनीति से जुड़ी है। टायलर रॉबिन्सन यूटा के वाशिंगटन शहर का निवासी है, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित है। उसके माता-पिता एंबर जोन्स रॉबिन्सन और मैट रॉबिन्सन हैं, जो लंबे समय से इस क्षेत्र के निवासी हैं। परिवार के पास उपनगरीय इलाके में एक छह बेडरूम वाला घर है, जिसकी कीमत लगभग 6,34,400 डॉलर है। मैट रॉबिन्सन वाशिंगटन काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट के 27 वर्षीय वेटरन हैं। रॉबिन्सन के दो भाई हैं। उसने अपने पिता और एक पादरी के सामने कथित तौर पर किर्क की हत्या की बात कबूली। शुरू में उसने कहा कि वह आत्महत्या करना पसंद करेगा बजाय सरेंडर के, लेकिन उसके माता-पिता ने उसे मनाया। पिता मैट ने खुद अधिकारियों से संपर्क किया और बेटे को सुरक्षित रूप से ओरेम ले जाकर सरेंडर कराया।

ऑपरेशन बीच में ही छोड़कर भागा पाकिस्तानी डॉक्टर

नर्स के साथ करने लगा सेक्स

लंदन , एजेंसी।
ब्रिटेन के टेमसाइड जनरल हॉस्पिटल (ग्रेटर मैनचेस्टर) में कार्यरत एक पाकिस्तानी मूल के एनेस्थेटिस्ट पर बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। डॉ. सुहैल अंजुम ने एक मरीज की गॉल ब्लैडर सर्जरी के बीच ऑपरेशन थिएटर छोड़ दिया और पास के दूसरे ऑपरेशन थिएटर में नर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए पाए गए। यह मामला सितंबर 2023 का है, लेकिन अब मैनचेस्टर मेडिकल ट्रिब्यूनल में इसकी सुनवाई के दौरान पूरी घटना सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ. अंजुम उस सुबह पांच सर्जरी में शामिल हुए थे। तीसरी सर्जरी के दौरान उन्होंने साथी कर्मियों से कहा कि वे एक कम्फर्ट ब्रेक ले रहे हैं। उनकी जगह एक एनेस्थेटिक नर्स को मरीज की देखरेख के लिए छोड़ दिया गया। इसी दौरान वे पास के एक ऑपरेशन रूम में गए, जहां वे एक नर्स के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए।

एक दूसरी नर्स जब ऑपरेशन के लिए जरूर उपकरण लेने के लिए उस रूम में पहुंची और उन्हें आपत्तिजनक हालत में देख लिया। रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. अंजुम अपनी पैंट संभाल रहे थे जबकि नर्स की स्कर्ट घुटनों तक गिरी हुई थी।

पूछताछ में डॉ. अंजुम ने स्वीकार किया कि उन्होंने सर्जरी के दौरान मरीज को छोड़कर नर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाए। उन्होंने ट्रिब्यूनल में कहा, यह मेरी जिंदगी का बेहद कठिन समय था। मेरी पत्नी ने हमारे सबसे छोटे बच्चे के समयपूर्व जन्म के बाद गंभीर आघात झेला था। उसी तनाव में यह गलती हुई। मैं बेहद शर्मिंदा हूं और इस हरकत की गंभीरता को पूरी तरह समझता हूं। इस घटना के बाद डॉ. अंजुम ने 2024 में ह्यस्ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया। वह अब ब्रिटेन छोड़कर पाकिस्तान लौट चुके हैं।

पोर्न स्टार ने पोस्ट कीं न्यूड तस्वीरें

इंस्टाग्राम अकाउंट बंद करने पर मेटा पर भड़का कोर्ट

कोलंबिया , एजेंसी। एक पोर्न स्टार की न्यूड तस्वीरों के मामले में सुनवाई करते हुए कोलंबिया की एक अदालत ने मेटा से कहा है कि उसे अपनी प्रिवेसी पॉलिसी बदलनी होगी। कोलंबिया की जानी-मानी अडल्ट ऐक्ट्रेस एस्परांजा गोमेज ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में उन्होंने अंडर गारमेंट्स पहन रखे थे। गोमेज का दावा है कि अपने काम के तहत उन्होंने तस्वीरें पोस्ट की थीं। वहीं मेटा ने उनका इंस्टाग्राम अकाउंट बंद कर दिया। गोमेज के इंस्टाग्राम पर 50 लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। कोर्ट ने कहा कि मेटा ने बिना स्पष्ट कारण बताए ही गोमेज का अकाउंट बंद कर दिया। इससे उनका काम प्रभावित हुआ है। वहीं मेटा का कहना है कि गोमेज ने न्यूडिटी रूल्स का उल्लंघन किया था। कोर्ट ने कहा कि मेटा ने गोमेज की अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने कहा कि गोमेज जिस तरह की सामग्री पोस्ट करती थीं, उसी तरह की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने वाले और भी अकाउंट हैं जो कि ऐक्टिवेट हैं। ऐसे में गोमेज के खिलाफ की गई मेटा की कार्रवाई उचित नहीं है और उसके नियम भी स्पष्ट नहीं हैं। कोर्ट ने मेटा को आदे दिया है कि वह अनपे नियमों की समीक्षा करे और फिर बदलाव करे। इसके अलावा वह स्पष्ट रूप से यूजर्स को बताए कि उसके क्या नियम हैं। कोर्ट के इस फैसले पर मेटा की अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि दक्षिण अमेरिकी कोर्ट पहले भी मेटा को इस तरह के आदेश दे चुके हैं। किसी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अवैध सामग्री, हेट स्पीच या फिर भड़काऊ कॉन्टेंट के लिए प्लैटफॉर्म खुद जिम्मेदार है।

6 घंटे की सर्जरी और एक चमत्कार! सीधी हुई टेढ़ी रीढ़, वायरल हुई शख्स की एक्स-रे तस्वीरें

बीजिंग, एजेंसी।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वायरल पर इन दिनों एक युवा की पोस्ट ने हज़ारों दिलों को छू लिया है। 20 वर्षीय ओलिवर मंडेला ने अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी से पहले और बाद की ड्रामेटिक एक्स-रे तस्वीरें साझा कीं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं। पोस्ट का शीर्षक था- 11 मार्च को हुई 6 घंटे की सर्जरी के बाद मैं स्कोलियोसिस से ठीक हो गया। अब तक यह प्रेरणादायक कहानी 21,000 से अधिक अपवोट्स हासिल कर चुकी है और दुनियाभर से लोगों की दुआएं और शुभकामनाएं ओलिवर को मिल रही हैं।

क्या है स्कोलियोसिस?: स्कोलियोसिस एक रीढ़ की हड्डी की स्थिति है, जिसमें हड्डी स या ष्ट के आकार में मुड़ जाती है। यह स्थिति न केवल शरीर की बनावट को प्रभावित करती है, बल्कि इससे सांस लेने में दिक्कत, मांसपेशियों में तनाव और स्थायी दर्द भी हो सकता है। यह एक ऐसा शारीरिक विकार है जो शरीर के पोश्चर को असामान्य बना देता है। इसमें पीठ में कूबड़ सा उभर आता है और चलने-फिरने में परेशानी होने लगती है। नेशनल

स्कोलियोसिस फाउंडेशन के अनुसार, केवल अमेरिका में लगभग 70 लाख लोग इस स्थिति से जूझ रहे हैं – जिनमें अधिकांश किशोर लड़कियां होती हैं। ओलिवर की स्थिति बेहद गंभीर थी। उन्होंने बताया कि सर्जरी से पहले उन्हें- सांस लेने में दिक्कत होती थी, लगातार दर्द बना रहता था, और पैरों में कमजोरी के कारण लंगड़ाकर चलना पड़ता था। डॉक्टरों ने उन्हें स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी की सलाह दी – इसमें रीढ़ की दो या अधिक हड्डियों को स्थायी रूप से जोड़ दिया जाता है ताकि हड्डी सीधी रहे और मुड़ना बंद हो जाए। सर्जरी सफल रही, और आज ओलिवर का कहना है- अब मुझे दर्द नहीं होता, सांस लेना आसान हो गया है, और शरीर में ऊर्जा पहले से कहीं ज्यादा है।

ज्ञान मत दो, तुमने भी माली-सीरिया में खूब बम बरसाए

इजरायल ने फ्रांस और ब्रिटेन को रगड़ दिया

बीजिंग, एजेंसी। कतर की राजधानी दोहा में हवाई हमलों को लेकर कई मित्र देश ही इजरायल की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इजरायल पीछे हटने को तैयार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने शुक्रवार को पश्चिमी सहयोगी देशों- खासकर फ्रांस और ब्रिटेन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दोहा में हमास के वरिष्ठ नेताओं पर की गई हवाई कार्रवाई को उचित ठहराते हुए कहा कि ये देश खुद आतंकवाद के खिलाफ विदेशी धरती पर सैन्य कार्रवाइयां करते रहे हैं, लेकिन इजरायल के कदमों पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल जब गाजा में युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए हमास नेता दोहा में एकत्र हुए थे तभी इसी दौरान इजराल ने हमला कर दिया जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए। इस कदम को सही ठहराने के लिए डैनन ने अमेरिका के उस ऑपरेशन का

हवाला दिया जिसमें ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था। इतना ही नहीं, दोहा में हवाई हमले के खिलाफ ज्ञान दे रहे फ्रांस और ब्रिटेन को भी इजरायली दूत ने खूब लताड़ लगाई। यूएनएससी की बैठक में डैनन ने अपने भाषण में कहा, जब पाकिस्तान में बिन लादेन को खत्म किया गया, तब किसी ने भी सवाल यह नहीं पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया। आज भी ऐसा ही होना चाहिए। जब बिन लादेन के लिए कोई छूट नहीं थी तो हमास के लिए भी कोई छूट नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायल का ऑपरेशन आत्मरक्षा में किया गया और इसका उद्देश्य केवल हमास के आतंकियों को निशाना बनाना था, न कि कतर को। डैनन ने फ्रांस और ब्रिटेन को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा, फ्रांस ने माली, चाड, बुर्किना फासो और मॉरिटानिया में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्होंने विदेशी धरती पर बमबारी की। हवाई हमले किए। क्या तब दुनिया ने उनकी निंदा की? नहीं। लेकिन जब इजरायल आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाता है, तो ये सहयोगी देश यूएन में हमें सबक सिखाने लगते हैं। उन्होंने इन देशों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिमी दुनिया को हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने और बंधकों की रिहाई की मांग करनी चाहिए।

रूस के कामचटका में 7.4 तीव्रता का भूकंप

मॉस्को , एजेंसी। रूस के कामचटका में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के बाद यहां सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया।

स्तस् ने पहले भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई थी, लेकिन बाद में इसे 7.4 कर दिया। पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में रूस के तटों पर खतरनाक लहरें उठ सकती हैं।

अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले 30 जुलाई को यहां 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जो दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया था। कामचटका में बीते तीन महिनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 3 भूकंप दर्ज किए गए हैं।

रूस के कामचटका में जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे-मोटे (मैग्निट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप हुए। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 3 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप 30 जुलाई को रूस के कामचटका में पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था।

रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना आसान काम नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना कोई आसान काम नहीं है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं। शुक्रवार को फॉक्स एंड फ्रेंड्स को दिए एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शिकंजा कसने का क्या मतलब है, तो उन्होंने कहा, देखिए, भारत उनका सबसे बड़ा ग्राहक था। मैंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया क्योंकि वे रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह कोई आसान काम नहीं है। यह एक बड़ी बात है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं।ट्रंप ने कहा, लेकिन मैं यह पहले ही कर चुका हूं। मैंने बहुत कुछ किया है। ट्रंप ने आगे कहा, और याद रखें कि यह हमारी समस्या से कहीं ज्यादा यूरोप की समस्या है। साक्षात्कार में, ट्रंप ने अपने इस दावे को भी दोहराया कि राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अब तक सात संघर्षों को सुलझाया है। उन्होंने कहा, मैंने सात युद्ध सुलझाए। पाकिस्तान और भारत भी शामिल हैं, लेकिन बड़े युद्ध, जिनमें से कुछ अनसुलझे थे, जैसे कांगो और रवांडा। मैंने उन्हें सुलझाया। यह 31 सालों से चल रहा था, लाखों लोग मारे गए। मैंने ऐसे युद्ध सुलझाए जो अनसुलझे थे। हालांकि, भारत हमेशा से ट्रंप के युद्धविराम करवाने के दावे को खारिज करता रहा है। भारत ने साफ किया है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर डीजीएमओ स्तर की बातचीत के बाद ही हुआ। इसमें कोई भी तीसरा देश शामिल नहीं था। वहीं, रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए, भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

जेन जेड ने कर दिया 25 अरब का नुकसान

काठमांडु एजेंसी।
नेपाल में बीते दिनों युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान देश को जान माल की बड़ी हानि हुई है। अधिकारियों के मुताबिक प्रदर्शन से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। वहीं युवाओं ने देश के संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट सहित कई बड़े मंत्रियों के घरों को आग के हवाले कर दिया, जिससे उबरने में देश को महीने लग सकते हैं। इस बीच अब नेपाल के होटल उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया है कि हिंसा के दौरान इंडस्ट्री को करीब 25 अरब नेपाली रुपए का नुकसान हुआ है।

बता दें कि नेपाल की अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर टूरिज्म पर निर्भर करती है और होटल उद्योग इसका एक प्रमुख हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक बीते दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर के लगभग दो दर्जन होटलों में तोड़फोड़, लूटपाट या आगजनी की घटनाओं के बाद 25 अरब नेपाली रुपये से अधिक का

नुकसान हुआ है।

माई रिपब्लिका ने होटल एसोसिएशन नेपाल द्वारा जारी एक बयान के हवाले से बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित होटलों में काठमांडू का हिल्टन होटल शामिल है, जिसे अकेले 8 अरब रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। काठमांडू घाटी, पोखरा, बुटवल, भैरहवा, झापा, विराटनगर, धनगढ़ी, महोत्तरी और डांग-तुलसीपुर के अन्य प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड होटलों को भी हिंसा की वजह से भारी नुकसान हुआ है।

होटल एसोशिएशन ने कहा है कि कई प्रभावित होटल मरम्मत के बिना फिर से काम शुरू नहीं कर पाएंगे, जिससे 2,000 से लोगों की नौकरियां भी प्रभावित होंगी। वहीं यह चिंता भी जताई है कि इस बर्बादी की वजह से होटलों के लिए बैंकों को पैसा चुकाना भी मुश्किल होगा। लोगों ने घटनाओं की जांच के लिए एक न्यायिक समिति बनाने और दोषियों को सजा देने की मांग की है। वहीं प्रभावित व्यवसायों के लिए मुआवजे की मांग भी की गई है। इस बीच नेपाल की पूर्व सीजेआइ सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया है। सुशीला कार्की को शुक्रवार रात नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। शपथ लेते ही अंतरिम सरकार का पहली जिम्मेदारी मौजूदा हालातों को सामान्य बनाकर देश में नए सिरे से चुनाव कराने की होगी। 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने कहा है कि वह छह महीने या एक साल के भीतर चुनाव संपन्न करवाने की कोशिश करेंगी।

भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थलों पर हम बना रहे हैं श्रीकृष्ण पाथेय तीर्थः सीएम यादव

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र रूपी पौधे की जड़ों को इतनी खूबसूरती से सींचा है कि अब यह विशाल वटवृक्ष बन चुका है। भगवान श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्षधर थे। उन्होंने अपने राजकाज में लोकतांत्रिक मूल्यों और सभी के विचारों को महत्व दिया।

हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर ही चल रही है। उनके विचार हमारे लिए अमूल्य पूंजी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने कहा

कि हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए मध्यप्रदेश एवं देश में उनकी लीला स्थलों को चिन्हित कर श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को पटना (बिहार) में भगवान श्रीकृष्ण के विचारों का जन समरस सांस्कृतिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

हर नगरीय निकायों में गीता भवनों का निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व को गीता का ज्ञान देने वाले भगवान श्रीकृष्ण के सम्मान में हमारी सरकार मध्यप्रदेश के हर नगरीय निकायों में गीता भवनों का निर्माण करने जा रही है। भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि के नाम पर हम मध्यप्रदेश में 300 से अधिक स्थानों पर सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना कर गुरुकुल शिक्षा पद्धति को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पाटलिपुत्र (पटना) और अवन्तिका (उज्जैन) देश के सबसे पुराने नगर हैं। कभी पाटलिपुत्र में सम्राट, तो अन्वतिका (उज्जैन) में युवराज विराजते थे। बौद्ध धर्म के विचारों का प्रवाह बिहार से ही पूरे विश्व में फैला। इस मायने में बिहार ने पूरे विश्व को शांति, अहिंसा और सामाजिक सद्भावना की दिशा दी है। उन्होंने कहा कि भारत की मूल पहचान हमारी समृद्ध संस्कृति है। यदि आप विदेश में भारत का नाम लिए बगैर सिर्फ इतना कह दें कि आप राम-कृष्ण-बुद्ध की धरती से आएं हैं, तो भी विदेशी यह समझ जाएंगे कि हम भारतीय हैं। यही हमारी मूल पहचान है। उन्होंने कहा कि भगवान गोपाल श्रीकृष्ण की इस पावन धरती पर हम अपनी संस्कृति, अपने मूल्यों और अपने विचारों पर दृढ़ता से आगे बढ़ें, यही हमारा संकल्प होना चाहिए।

युवाओं के लिए हर क्षेत्र में संभावनाएं हैं, अवसर हैंः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नेशन बिल्डर अवॉर्ड समारोह में हुए शामिल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल संबोधन ने कहा कि भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। आज हर क्षेत्र में संभावनाएं हैं, अवसर हैं। इन अवसरों का लाभ लेने के लिए आवश्यक है कि युवा सजग हों और मनोयोग से मेहनत करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास का सुनहरा फल युवाओं को मिले, इसके लिए आवश्यक है कि वे नशे से दूरी बनाकर अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाएँ। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मीडिया से आग्रह किया कि नशे के दुष्परिणामों पर जनजागरूकता अभियान चलाएँ। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल आनंद मोहन माथुर सभागृह, इंदौर में निजी मीडिया समूह के 12वें नेशन बिल्डर अवॉर्ड 2025 समारोह में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य को कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त होना इसका

प्रमाण है। सिंचाई के क्षेत्र में भी लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इंदौर की स्वच्छता पूरे देश के लिए एक मिसाल बन चुकी है और प्रदेश विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शिक्षा, प्रशासनिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सुप्रसिद्ध सिने तारिका एवं पूर्व सांसद श्रीमती जया प्रदा, आयोजक श्री वीरेंद्र मिश्रा सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे। श्रीमती जया प्रदा ने इंदौर की स्वच्छता की सराहना की।

प्रभावी कक्षा शिक्षण पर शिक्षक करेंगे विमर्श

भोपाल। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 के अंतर्गत शिक्षकों को उनके सतत व्यवसायिक उन्नयन के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर शैक्षिक संवाद का आयोजन किया जा रहा है। कक्षा 1 से 8 के सभी शिक्षकों के लिए प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाले इन संवाद सत्रों में शिक्षक विभिन्न शैक्षिक विषयों पर आपसी विमर्श करते हैं। इसी कड़ी में शनिवार 13 सितम्बर को शैक्षिक संवाद सत्र में कक्षा-1 से 5 के शिक्षक 'प्रभावी शिक्षण में अंग्रेजी विषय की शिक्षक संदर्शिका की भूमिका' एवं कक्षा-6 से 8 के शिक्षक 'पूर्व ज्ञान एवं समूह कार्य' विषय पर चर्चा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय शैक्षिक संवादों का आयोजन राज्य शिक्षा केन्द्र एवं शिक्षक प्रशिक्षण में सहयोगी संस्था पीपल के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराए जाने के लिये नगरीय निकायों को दिये निर्देश

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों को उनके क्षेत्र में पेंशनधारियों को समग्र आईडी ई-केवाईसी की प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेड़े ने नगरीय निकायों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय में यह बात सामने आयी कि पेंशन योजनाओं से लाभान्वित हो रहे बड़ी संख्या में पेंशनधारियों की समग्र आईडी की ई-केवाईसी प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो पायी है। ऐसी स्थिति में जिन पेंशनधारियों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होगी, उनकी आगामी माह से पेंशन रोकी जा सकती है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिये समग्र आईडी की ई-केवाईसी अनिवार्य है। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा इस कार्य के लिये 31 अगस्त, 2025 तक की समय-सीमा निर्धारित की गयी थी। जानकारी के अनुसार प्रदेश में 3 लाख 50 हजार से अधिक पेंशनधारियों की ई-केवाईसी शेष है। नगरीय निकायों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में ई-केवाईसी कार्य को युद्ध स्तर पर संचालित करें, जिससे पेंशनधारियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। नगरीय निकायों को प्रतिदिन ई-केवाईसी कार्य की रिपोर्ट विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने के लिये भी कहा गया है। जिन लाभार्थियों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं हुई है, उनकी जानकारी स्थानीय स्तर पर सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित की जाये।

सदाबहार गीतों की शाम धर्मेंद के नाम का आयोजन 15 सितंबर को

भोपाल । भोपाल एडवोकेट म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सदाबहार गीतों की शाम धर्मेंद के नाम का आयोजन 15 सितंबर सोमवार को एसबी पटेल सभागार पालिटेक्निक कालेज भोपाल में होगा। सह संयोजक धर्मेंद्र वाधवानी ने बताया कि यह भोपाल एडवोकेट म्यूजिकल ग्रुप की छठवीं प्रस्तुति है।

प्रदेश में 2 अक्टूबर से प्रारंभ होगा दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रदेश के किसानों की पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश में 2 अक्टूबर से दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान प्रारंभ किया जायेगा। अभियान के अंतर्गत गाँव-गाँव पशुपालकों से व्यक्तिशः सम्पर्क किया जायेगा और उन्हें पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक किये जाने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। अभियान 3 चरणों में चलाया जायेगा। इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर को ग्राम सभाओं से की जायेगी। अभियान 9 अक्टूबर तक चलेगा। प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास श्री उमाकांत उमराव ने शुक्रवार को मंत्रालय में अभियान की तैयारियों संबंधी बैठक ली। बैठक में सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिये कि अभियान का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया तथा अन्य संचार माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये। गाँवों में मुनादी पिटवाकर इसकी जानकारी दी जाये। बैठक में बताया गया कि अभियान में 10 या 10 से अधिक गौ-वंश रखने वाले पशुपालकों से व्यक्तिशः सम्पर्क किया जायेगा। अभियान के द्वितीय चरण में 5 या अधिक गौ-वंश रखने वाले पशुपालकों और तीसरे चरण में 5 या कम गौ-वंश रखने वाले पशुपालकों से सम्पर्क किया जायेगा। अभियान के अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी/मैत्री द्वारा पशुपालकों से गृह भेंट की जायेगी और उन्हें पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के संबंध में जागरूक किया जायेगा। साथ ही पशुओं में टैग लगाने संबंधी जानकारी भी एकत्र की जायेगी। इस कार्य के लिये मैत्री को प्रति पशुपालक 5 रुपये का मानदेय भी दिया जायेगा।

सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाहा ने नशामुक्ति केंद्रों की जांच के दिये निर्देश

भोपाल । सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने प्रदेश में संचालित समस्त शासकीय नशा मुक्ति केंद्रों के निरीक्षण के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित कर केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने यह निर्देश शुक्रवार को मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक में दिये। इसके साथ ही दिव्यांगों के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर मेडिकल बोर्ड के शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷विकसित भारत का मंत्र-भारत हो नशे से स्वतंत्र÷ देशव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश में नशा मुक्ति के क्षेत्र में प्रभावी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। नशा मुक्त समाज के लिए सामाजिक भागीदारी के साथ-साथ विभाग द्वारा जो कार्यक्रम और योजनाएं संचालित की जा रही है, उनका प्रभावी क्रियान्वयन मैदानी स्तर पर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशे से पीड़ित लोगों के लिए प्रदेश में 13 नशा मुक्ति-सह-पुनर्वास केन्द्र, सात आउट रिच एंड ड्रॉप इन सेंटर, तीन कम्युनिटी बेस्ड पियर-

लेड इन्टरवेशन सेंटर तथा 8 जिला मुख्यालय पर डीडीआरसी संचालित किए जा रहे हैं। इन सभी संस्थानों के सुव्यवस्थित संचालन की नियमित समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन के लिए चलाए जा रहे सुगम भारत अभियान÷ की भी नियमित समीक्षा की जाए। मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि दिव्यांगजन को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग द्वारा राज्य स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिसमें प्रदेश भर के दिव्यांगजन जो गायन, वादन, नृत्य, अभिनय और खेलकूद में रुचि रखते हैं, उनको प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके लिए विभाग कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर प्रस्तुत करे। प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत सामाजिक संगठन, शैक्षणिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ सामाजिक न्याय विभाग द्वारा लगातार जन-जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

गांधी जयंती 2 अक्टूबर को विशेष ग्रामसभाओं का आयोजन भी कराया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचने के लिए छात्रावास स्तर पर नशा मुक्ति समितियों का गठन किया गया है। इसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। बैठक में प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वायंगणकर सहित अन्य विभाग की अधिकारी उपस्थित थे।

बीबीए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

भोपाल, नप्र। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की बी.बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत एल.एम. बेकर्स प्रायवेट लिमिटेड, भारत की प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण इकाई, का शैक्षणिक दौरा कराया गया। एल.एम. बेकर्स प्रा.लि. की देशभर में 189 से अधिक इकाइयाँ कार्यरत हैं तथा यह संयंत्र प्रतिवर्ष 60 से 70 मेट्रिक टन उत्पादन क्षमता रखता है। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तथा एफएमसीजी क्षेत्र में संगठनात्मक कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने बड़े पैमाने पर बिस्किट निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया को निकट से देखा। उन्होंने खाद्य उत्पादन में अपनाए जाने वाले गुणवत्ता आश्वासन उपायों की जानकारी प्राप्त की। छात्राओं ने यह भी समझा कि उपभोक्ताओं तक उत्पाद पहुँचाने में सप्लाई चेन और वितरण प्रणाली की अहम भूमिका होती है।साथ ही, छात्राओं ने प्रबंधन के सिद्धांतों के वास्तविक व्यवसायिक संचालन में प्रयोग को प्रत्यक्ष रूप से जाना। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। इससे उन्हें पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक उद्योग जगत का अनुभव भी प्राप्त होता है।

आईआईएसईआर भोपाल में होगी 'एनालिटिकल एंड बेनिफिशिएशन' लैबोरेटरी की स्थापना

भोपाल। आईआईएसईआर भोपाल में अत्याधुनिक सुविधायुक्त' एनालिटिकल एंड बेनिफिशिएशन' लैबोरेटरी स्थापित की जाएगी। इसका उपयोग सरकारी, शैक्षणिक और उद्योग बेनिफिशरीज संयुकत रूप से कर सकेंगे। खनिज संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव और भू-विज्ञान एवं खनन निदेशालय के निदेशक श्री फ्रैंक नोबल ए. के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल का भ्रमण किया। यह दौरा कटनी 'माइनिंग कॉन्क्लेव' के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के अंतर्गत खनिज अन्वेषण, बेनिफिशिएशन और अनुसंधान में सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार की खनिज अनुसंधान संबंधी प्रमुख पहलों पर चर्चा के बाद एमओयू पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया है। इसके अंतर्गत संयुक्त कार्य समूह का गठन कर ग्रेफाइट, रॉक फॉस्फेट और वेनेडियम संसाधनों के लिए त्वरित और रैंकिंग आधारित मिनरल टार्गेटिंग मॉडल विकसित करने के लिये अन्वेषण और एआई/एमएल आधारित प्रॉस्पेक्टिविटी मैपिंग में सहयोग बढ़ाया जायेगा। एनालिटिकल और बेनिफिशिएशन प्रयोगशाला की स्थापना आईआईएसईआर भोपाल में स्थापित की जाएगी। प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए

क्षमता निर्माण के लिये अयस्क विशेषता, भू-स्थानिक मैपिंग और रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों में उन्नत प्रशिक्षण मॉड्यूल पर जोर दिया जायेगा। प्रतिनिधिमंडल ने आईआईएसईआर के उन्नत अनुसंधान और परीक्षण सुविधाओं का भी दौरा किया, जिसमें न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (हस्क्र) लैब, लेजर स्पेक्ट्रोग्राफी यूनिट्स और स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सुविधाएं शामिल थीं। ये अत्याधुनिक संसाधन खनिज प्रसंस्करण, बेनिफिशिएशन, अनुसंधान और अन्वेषण विज्ञान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री उमराव ने कहा कि यह सहयोग मध्यप्रदेश का विशेष रूप से राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन के इंफ्रास्ट्रक्चर के अंतर्गत देश के खनिज प्रसंस्करण और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करेगा।

आईआईएसईआर भोपाल के निदेशक प्रो. गोबर्धन दास ने कहा कि यह भविष्योन्मुखी सहयोग उद्योग और अनुसंधान में सशक्त इंटिग्रेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा। आईआईएसईआर की उन्नत सुविधाएं और विशेषज्ञता, प्रदेश के खनिज संसाधनों के साथ मिलकर मध्यप्रदेश को खनिज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगी। यह दौरा शैक्षणिकङ्कऔद्योगिकङ्कसरकारी साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और मध्यप्रदेश को क्रिटिकल मिनरल अनुसंधान और सतत संसाधन विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

थाना रातीबड़ पुलिस को मिली सफलता , अवैध शराब की बिक्री करते महिला गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। शहर में अवैध शराब का परिवहन करने वाले एवं अवैध शराब बेचने बाले अपराधियो पर नियंत्रण हेतु एवं अपराधियो के विरुध्द कडी कार्यवाही करने हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल श्री अवधेश गोस्वामी द्वारा आरोपियो की धडपकड हेतु एवं कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशो के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त महोदय श्री अशुतोष गुप्ता के निर्देशन एवं अति.पुलिस उपायुक्त महोदय जोन-01 श्रीमती रश्मि अग्रवाल दुबे व सहायक पुलिस आयुक्त महोदय टीटी नगर श्रीमती अंकिता खातरकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रातीबड़ उनि0 रास बिहारी शर्मा के नेतृत्व में थाना रातीबड़ पुलिस नें अंग्रेजी शराब के अवैध परिवहन करते हुए 325 क्वार्टर देसी मदिरा शराब की जप्त । 10/09/2025 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मुगालियाछाप में माली मोहल्ला में एक महिला अवैध शराब बैच रही है यदि तत्काल कार्यवाही की जाये तो अधिक मात्रा में शराब मिल सकती है। जो सूचना के सबंधं में तुरन्त वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर पुलिस बल साथ लेकर मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर तस्दीक की जो एक महिला शराब बेंचते हुए दिखाई दी । मौके पर महिला पुलिस बल के द्वारा आरोपिया की घेराबंदी कर पूछताछ की जो उसने जमीन के अन्दर प्लास्टिक की टंकी गाढ़ कर उसमें छिपा कर शराब रखना बताया ।

नरेला विधानसभा क्षेत्र में प्रतिवर्ष होता है भव्य आयोजन

मंत्री सारंग ने दशहरा उत्सव की तैयारियों का छोला मैदान पहुंचकर किया निरीक्षण

भोपाल, नप्र। नरेला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले दशहरा उत्सव की तैयारियों का शुक्रवार को मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने छोला दशहरा मैदान पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को भव्य और अनुशासित आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सारंग ने बैठक व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन चिकित्सा और अग्निशमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रावण दहन का यह पर्व न केवल सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश भी देता है। इस मौके पर हिंदू उत्सव समिति भोपाल के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, समिति सदस्य चेतन भार्गव, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य निर्वाचन आयोग सहकारी साख संस्था के अध्यक्ष पद पर मोहन कुशवाह निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग कर्मचारी सहकारी साख संस्था मर्यादित भोपाल की आम सभा की बैठक निर्वाचन आयोग कार्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें मोहन कुशवाह को म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग कर्मचारी सहकारी साख संस्था मर्यादित का सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। मोहन कुशवाह के अध्यक्ष बनने पर संस्था के सभी सदस्यों सर्वश्री नरेन्द्र सिंह, एन. के लच्छवानी, उपेन्द्र द्विवेदी, प्रदीप शुक्ला, दुर्गेश पाठक, विकास राठौर, ज्योति मालवीय, संगीता मथने, लता भूआर्य, सुनीता चुआन पाण्डे द्वारा पुष्प-माला भेंट कर बधाई दी गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन कुशवाह ने अपने सभी साथियों को आभार व्यक्त कर कहा, मुझे जो संस्था के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, मैं उसे पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निभाऊंगा एवं संस्था विकास एवं सदस्यों के हितों में कार्य करूंगा।

बोरवन क्लब का अभियान आओ लगाएं एक पेड़ पितरों के नाम

भोपाल, नप्र। समाज और प्रकृति को समर्पित संस्था दीनदयाल बोरवन क्लब ने आज एक पेड़ पितरों को नाम अभियान का शुभारम्भ गुलमोहर का पेड़ किया। क्लब के अध्यक्ष ने बताया कि इन दिनों भोजन का दान और गंगा आदि पवित्र नदियों में तर्पन का महत्व माना गया है। जिससे हमारे पितृगण प्रसन्न होकर हमें आशीर्वाद प्रदान करते हैं। उसी तरह वृक्षों को लगाना भी प्रकृति के लिए तर्पण है, क्यों कि स्वच्छ पर्यावरण आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित करेगा। ऐसा करने पर भी हमारे पूर्वज संतुष्ट होकर आशीर्वाद बरसाते हैं। आह्वान है आप भी एक पेड़ अपने पितृगणों के नाम अवश्य लगाएं। इस पावन अभियान अंतर्गत क्लब के महासचिव शेट्टी चंदनानी को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।इस अवसर पर जगदीश आसवानी,शेट्टी चंदनानी,सुनील ददलानी अमित केवलारामानी,सुरेश भाई,रवि नारायण सतानी एक वृक्ष पितरों के नाम लगाया।

करियर के पीक पर महिमा चौधरी का हो गया था एक्सीडेंट, चेहरे से निकाले गए थे 67 कांच के टुकड़े

बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी 13 सितंबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। 1990 में महिमा ने पढ़ाई बीच में ही छोड़ मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। मॉ?डलिंग के साथ ही महिमा एड में काम पाने की कोशिश में लग गईं और उनके हाथ पेप्सी का एक विज्ञापन लग गया। इस विज्ञापन के बाद महिमा चौधरी को फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। फिल्मों में कदम रखने से पहले महिमा ने 100 से भी यादा विज्ञापनों में काम किया। महिमा चौधरी ने बतौर वीडियो जॉकी के तौर पर चैनल वी के लिए भी काम किया। इसके बाद उन्होंने 1997 में शाहरुख खान की फिल्म परदेस से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म परदेस से महिमा चौधरी रातों-रात स्टार बन गईं। इसके बाद उन्होंने 1999 में फिल्म मनसुलो माता से तमिल इंडस्ट्री में कदम रखा था। महिमा चौधरी ने कई हिट फिल्मों में काम किया। लेकिन कुछ सालों बाद ही अचानक महिमा लाइमलाइट से दूर हो गईं। 1999 में फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान महिमा चौधरी का एक कार एक्सीडेंट हो गया था और उनके चेहरे पर काफक्ष चोट आई थीं। एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने इस एक्सीडेंट के बारे में बताया था। महिमा ने बताया था, ये बात साल 1999 के आस-पास की है, जब मैं प्रकाश झा के साथ अजय देवगन और काजोल की होम प्रोडक्शन फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग कर रही थी। तब स्टूडियो जाते वक्त, बेंगलुरु में एक ट्रक ने मेरी कार को जबरदस्त टक्कर मार दी थी। ये टक्कर इतनी भयंकर थी कि गाड़ी के कांच के टुकड़े मेरे चेहरे पर आ लगे थे।उन्होंने कहा था, मुझे लगा मैं मर रही हूं। हादसा इतना भयंकर था कि कोई मदद को आगे नहीं आ रहा था। अस्पताल पहुंचने के बाद जब मेरी मां और अजय आए तो दोनों कुछ बातें करने लगे। मैं फिर उठी और अपना चेहरा देखा। उस वक्त मैं डर गई थी। इसके बाद मेरे चेहरे की सर्जरी हुई और डॉक्टर्स ने मेरे चेहरे से 67 कांच के टुकड़े निकाले।महिमा ने बताया था कि सर्जरी के बाद उन्हें ठीक होने में बहुत लंबा समय लगा। वह हमेशा घर के अंदर ही रहती थीं क्योंकि वह बाहर धूप में नहीं जा सकती थीं। इस दौरान वह शीशे पर अपना चेहरा देखना पसंद नहीं करती थीं। उन्हें लगा था कि अब पता नहीं कोई उन्हें फिल्मों में काम देगा या नहीं।

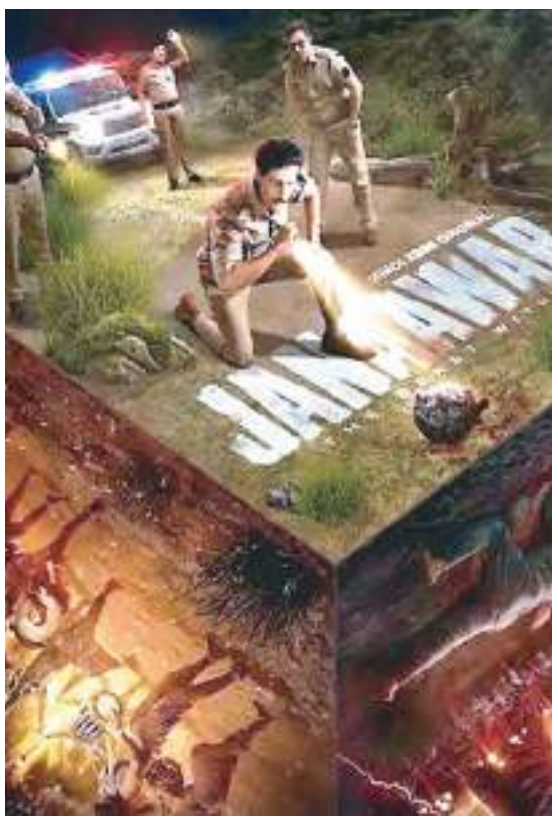

जनावर- द बीस्ट विदिन का ट्रेलर रिलीज़

ज़ी5 ने अपनी आने वाली हिंदी ओरिजिनल सीरीज़ जनावर- द बीस्ट विदिन का ट्रेलर जारी किया है। यह एक रोमांचक क्राइम ड्रामा है, जो छंद नामक अशांत और हलचल भरे कस्बे में घटित होता है। इसे आरंभ एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है और शचिंद्र वत्स द्वारा निर्देशित किया गया है। इस शो में भुवन अरोड़ा मुख्य भूमिका में हैं और यह 26 सितंबर, 2025 को केवल ज़ी5 पर प्रीमियर होगा। प्रमुख भूमिकाओं में भगवान तिवारी, अतुल काले, वैभव यशविर, इशिका डे, विनोद सूर्यवंशी, अमित शर्मा, बदरुल इस्लाम और दीक्षा सोनलकर ढम शामिल हैं।ट्रेलर दर्शकों को छंद कस्बे से रूबरू कराता है, जहाँ हेमंत कुमार (भुवन अरोड़ा), एक ईमानदार पुलिस अधिकारी, खतरनाक मामलों में उलझ जाता है। बिना सिर वाली लाश, गायब सोना और एक लापता व्यक्ति कस्बे में डर का माहौल पैदा करते हैं, जिससे हेमंत को न केवल खतरनाक जाँच का सामना करना पड़ता है, बल्कि व्यवस्था में मौजूद पक्षपाती सोच और व्यक्तिगत संघर्षों से भी जूझना पड़ता है। जब रहस्य खुलते हैं, तो ग्राम देवता की विरासत सामने आती है, जो याद दिलाती है कि असली पहचान साहस के ज़रिए बनती है, जन्म से नहीं। फिर भी, छंद की जमीन के नीचे कई और सचाइयाँ दफन हैं।छंद का मिल्खा कहे जाने वाले हेमंत को छुपे रहस्यों के जाल से खुद को बचाना होगा, जहाँ हर इंसान के भीतर एक जानवर छिपा होता है। कुछ इसे काबू में कर लेते हैं, जबकि कुछ इसे आज़ाद कर देते हैं। आखिर में सवाल यही है- शिकारी कौन बनेगा और शिकार कौन ट्रेलर की लिंक

https://youtu.be/MCX{HaiF|wssi=XdR-_huidfEOEDJs

ट्रेलर के बारे में बात करते हुए भुवन अरोड़ा ने कहा, फ्रजनावर- द बीस्ट विदिन ऐसी कहानी है, जो आपको सिर्फ अभिनेता के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी परखती है। हेमंत कुमार की भूमिका निभाना भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उसके कंधों पर कई लड़ाइयाँ हैं, जिसमें फर्ज़, पहचान, परिवार और उसके अंदरूनी डर शामिल हैं।

घर पर हुई फायरिंग के बाद पहली बार न्यूयॉर्क में दिखीं दिशा

एक्टर

दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर के बाहर हाल ही में फायरिंग हुई. अब दिशा ने इस घटना के बाद पहली फर्स्ट पब्लिक अपीरियंस दी है. उन्होंने न्यूयॉर्क में एक इवेंट अटेंड किया. दिशा ने इस इवेंट की वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है. दिशा न्यू यॉर्क में एक क्लोदिंग ब्रांड के इवेंट में पहुंची थी. यहां क्लोदिंग ब्रांड के नए कलेक्शन को लेकर एक इवेंट रखा गया था. वीडियो में दिशा को ब्लैक कलर की बैकलेस ड्रेस में देखा गया. दिशा ने डीपनेक ब्लैक ड्रेस पहनी थी. साथ ही हाई हील्स कैरी की. उन्होंने सड़क पर हंसते हुए पोज दिए. दिशा ने इस लुक को नो मेकअप लुक और कर्ली हेयरस्टाइल से कंप्लीट किया.बता दें कि दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर के बाहर दो बाइकसवारों ने गोलीबारी की थी. गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है. उन्होंने कहा कि ये सनातन धर्म और संतों के अपमान का बदला है.कुछ समय पहले कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के महिलाओं पर की गई टिप्पणी की थी. इसके बाद दिशा की बहन खुशबू पाटनी ने उनके बयान का विरोध किया था. इसी वजह से खुशबू के घर के बाहर हमला किया गया.वर्क फ्रंट की बात करें तो दिसा को पिछली बार Kanguva में देखा गया था. इससे पहले वो कल्कि 2898 एडी में भी नजर आई थीं. दिशा के हाथ में अब दो बड़े प्रोजेक्ट्स हैं. वो फिल्म वेलकम टू द जंगल में दिखेंगी.

अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर पिस्टल से फायरिंग की गई थी। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है। किस पिस्टल से गोलियां चलाई गईं, इसका पता लगाने के लिए फॉरेंसिक टीम जांच कर रही है। शुक्रवार तड़के जिस वक्त फायरिंग हुई, इस वक्त दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड सीओ जगदीश चंद्र पाटनी, मां और बहन सेवानिवृत्त मेजर खुशबू पाटनी समेत तीन लोग घर में सो रहे थे। घटना के बाद फॉरेंसिक यूनिट ने भी मौका मुआयना किया।

टीम को घर की छत के छज्जे और दीवार पर फायरिंग के कई निशान मिले हैं। फायरिंग चूंकि बाइक पर पीछे बैठे शख्स ने एक ही हथियार से की तो अनुमान लगाया जा रहा है कि वह विदेशी पिस्टल रही होगी, जिससे एक ही बार में नौ राउंड फायरिंग हो सकती है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि फिरौती और धमकी जैसी बात अभी तक सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों द्वारा छह सात राउंड फायरिंग की बात कही गई। फील्ड यूनिट की जांच में भी यह बात सामने आई है। मौके पर 9 एमएम के खोखे मिले हैं। इससे यह तो स्पष्ट है कि पिस्टल से फायरिंग की गई है। खोखों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। इसके बाद ही पता चल सकेगा कि कौन सी पिस्टल से फायरिंग की गई है। महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। साइबर और सर्विलांस की टीम भी जांच में लगी हुई है।शुक्रवार दोपहर पाटनी व उनका परिवार डीएम अविनाश सिंह व एसएसपी अनुराग आर्य से मिला। एसएसपी ने परिवार को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और तत्काल ही एक दीवान व तीन सिपाहियों की गारद व दो गनर तैनात कर दिए। इसके अलावा डीएम से मिलकर भी परिवार ने सुरक्षा का ही सवाल उठाया। माना जा रहा है कि पाटनी परिवार को जल्द ही शस्त्र लाइसेंस मिल सकता है। वैसे पहले से पाटनी के नाम एक दोनाली बंदूक का लाइसेंस है।एसपी सिटी मानुष पारीक की टीम व एसओजी ने परिवार से लंबी पूछताछ की। परिवार ने बताया कि शुक्रवार सुबह सात बजे किसी ने पार्सल आने की बात कहकर खुशबू को कॉल की थी, लेकिन बाद में काट दिया। किसी तरह की धमकी भरी कॉल आज तक उनके पास नहीं आई है। हालांकि पुलिस को यह यकीन नहीं है।गोल्डी बरार के खास गुर्गे रोहित गोदारा की आईडी से की गई पोस्ट में राजस्थान के गांव डेलाणा से जुड़े बताए जा रहे वीरेंद्र चारण व महेंद्र सारण ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां उनकी कुंडली खंगाल रही हैं। ये देश में हैं या नहीं, इसकी भी कोई तस्दीक नहीं है।

41 की उम्र में भी सुरवीन चावला अपने ग्लैमरस फोटोज से गिराती हैं बिजलियां

सुरवीन चावला ने टीवी इंडस्ट्री के बाद फिल्मों में भी अपना नाम कमाया. अब सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अपनी दिलकश अदाओं से सबको दीवाना बनाती हैं.सुरवीन चावला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी स्टाइलिश फोटोज से सभी को अपना मुरीद बना लेती हैं. 41 की उम्र में भी उनकी खूबसूरती ऐसी है कि वो कई यंगस्टर्स को मात दे दें. यहां देखिए हसीना की खूबसूरती की एक झलक.सुरवीन चावला इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं. इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी वो अपने स्टाइलिश लुक्स और फैशन सेंस को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं. हर कोई हसीना की इन दिलकश अदाओं पर जान छिड़कता है.सुरवीन चावला इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं. इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी वो अपने स्टाइलिश लुक्स और फैशन सेंस को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं. हर कोई हसीना की इन दिलकश अदाओं पर जान छिड़कता है.

टीवी इंडस्ट्री से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करते हुए अब सुरवीन चावला ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी अछीङ्कखासी पहचान बना ली है. कसौटी जिंदगी की से उन्होंने घरङ्कघर अपनी पहचान बनाई थी. आज अदाकारा इस मुकाम पर हैं कि उन्हें किसी इंट्रो की जरूरत नहीं पड़ती.2014 में रिलीज हुई फिल्म हेट स्टोरी 2 में सुरवीन चावला का सिजलिंग अंदाज देखा गया था. इस फिल्म में एक्ट्रेस ने भर-भर के इंटीमेट सीन्स देकर ऑडियंस को चौंका दिया. इसके बाद भी उन्होंने कई फिल्में की.सुरवीन चावला ने ओटीटी का रुख किया और यहां उनकी किस्मत चमक गई.इसके बाद एक्ट्रेस ने 24, कॉपी, छुरी, राणा नायडू, क्रिमिनल जस्टिस जैसे सीरीज का हिस्सा बनीं. इसके पहले उन्हें मंडला मर्डर्स में देखा गया था. सीरीज में अभिनेत्री ने अपने एक्टिंग स्किल्स से दर्शकों को बहुत इंप्रेस किया.हाल ही में सुरवीन चावला की थ्रिलर वेब सीरीज अंधेरा प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई और इसे भी ऑडियंस ने काफी प्यार दिया. वेब सीरीज में काम कर अदाकारा की पॉपुलैरिटी में काफी इजाफा हुआ है. सोशल मीडिया पर भी उनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग देखने को मिलती है.इंस्टाग्राम पर सुरवीन चावला को 1.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. एक्ट्रेस फैंस संग अपनी जबरदस्त तस्वीरें शेयर कर लाइमलाइट अपने नाम कर लेती हैं।

एक चतुर नार टाइटल जितनी दिलचस्प नहीं है फिल्म

अक्सर देखा जाता है कि आइडिया दिलचस्प रहा जाता है, लेकिन उस पर फिल्म की जो इमारत खड़ी की जाती है वो मजबूत नहीं रहती। एक चतुर नार के साथ भी यही वाकया दोहराया गया है। यह फिल्म साधारण से दिखने वाली एक महिला की असाधारण कहानी कहती है, जो हालात से जूझते हुए बड़े-बड़े नेताओं और उद्योगपतियों को अपनी चतुराई से मात देती है।

फिल्म की कहानी ममता (दिव्या खोसला) की ज़िंदगी से शुरू होती है। ममता एक मिडिल क्लास हाउसवाइफ है, जो अपने छोटे बेटे और माँ (छाया कदम) के साथ रहती है। पति की आत्महत्या के बाद वह कर्ज और परेशानियों से घिरी रहती है। अचानक किस्मत उसे एक ऐसा मोबाइल फोन पकड़ा देती है, जिसमें भ्रष्ट राजनेता कुरैशी (जाकिर हुसैन) और उद्योगपति अभिषेक वर्मा (नील नितिन मुकेश) के गुनाहों के सबूत भरे होते हैं। यहीं से फिल्म असली मोड़ पकड़ती है। ममता इस फोन को हथियार बनाकर ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू करती है। वह बार-बार इन ताकतवर लोगों के सामने ऐसी मांगें रखती है, जो उन्हें असहज कर देती हैं। एक आम और मासूम दिखने वाली महिला कैसे राजनीति और बिजनेस की बड़ी-बड़ी मछलियों को फंसा देती है, यही फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण है।

निर्देशक उमेश शुक्ला ने फिल्म में थ्रिल और कॉमेडी का मिश्रण करने की कोशिश की है। कई ट्विस्ट एंड टर्न्स अच्छे से काम करते हैं और दर्शकों को कहानी से जोड़े रखते हैं, लेकिन कॉमेडी में धार नहीं है। कई बार ऐसा भी लगता है कि ममता सब कुछ बड़ी आसानी से कर रही है जिससे फिल्म पर विश्वास कम होता है।

फिल्म का दूसरा हिस्सा अपेक्षा से ज़्यादा लंबा और खिंचावदार लगता है। बैकस्टोरी पर जरूरत से अधिक समय देने के कारण फिल्म की गति धीमी हो जाती है। पटकथा की यह कमजोरी फिल्म की सबसे बड़ी कमी बन जाती है। दर्शक जब क्लाइमेक्स की ओर बढ़ते हैं, तब तक उनकी धैर्य की परीक्षा हो चुकी होती है।दिव्या खोसला ने ममता के किरदार को मासूमियत और चतुराई के बीच बड़ी खूबसूरती से निभाया है। स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी दमदार लगती है। कई जगहों पर वह अपने अभिनय से दर्शकों को चौंकाती भी हैं। नील नितिन मुकेश का रोल अहम है, लेकिन उनके किरदार में गहराई की कमी खलती है। वे जरूरी तो लगते हैं, मगर प्रभावशाली नहीं। छाया कदम, जो दिव्या की माँ बनी हैं।

स्टार खिलाड़ी ने रचा इतिहास, धमाकेदार पारी खेलकर इंग्लैंड के लिए बनाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल साल्ट ने किसी इंग्लिश खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी 20 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उनका यह धमाकेदार शतक सिर्फ 39 गेंदों पर पूरा हुआ, जिससे उन्होंने 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ लियाम लिविंगस्टोन द्वारा बनाए गए 42 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साल्ट की यह उपलब्धि उनके सलामी जोड़ीदार जोस बटलर के दमदार प्रदर्शन और चतुराई भरे शॉट चयन का एक अद्भुत संगम थी, जिसने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया। साल्ट ने शतक शानदार अंदाज में पूरा किया, जिसमें मिड-ऑन पर एक सटीक ड्राइव के साथ चौका फिर एक फ्री हिट पर एक रन और कैगिसो रबाडा की गेंद पर बेथेल के तेज दो रन से हासिल किया। साल्ट का यह शतक उन्हें वैश्विक मंच पर विशिष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में भी शामिल करता है। वह केवल 42 पारियों में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक हैं। यह भारत के सूर्यकुमार यादव से काफी तेज है, जिन्होंने 57 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों की बात करें तो उनसे ज्यादा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने पांच-पांच शतक लगाए हैं, जिससे साल्ट इस प्रारूप में खेल के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। गौर है कि आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले साल्ट ने 60 गेंदों पर 15 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने 304/2 का स्कोर बनाया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा बनाया गया अब तक का सर्वोच्च टी20 स्कोर है।

हांगकांग पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई। श्रीलंका की टीम सोमवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हांगकांग के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। श्रीलंका ने पहले ही मैच मे बांग्लादेश को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

वहीं हांगकांग की टीम को अब तक हुए दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है हालांकि उसकी टीम का प्रदर्शन ठीक कहा जा सकता है। उस कठिन टीमों का सामना करना पड़ा है। अब उसके बल्लेबाजों को नुवान तुषारा और दुष्मंथा चमीरा जैसे तेज गेंदबाजों और रहस्यमयी स्पिनर वानिन्दु हसरंगा का मुकाबला करना होगा। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ मथीशा पथिराना पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और अब वह इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल पर रहेंगी। वहीं हांगकांग में कुछ एक ही बल्लेबाज अच्छे हैं। उसके बल्लेबाज यासिम मुर्तज, जीशान अली और अंशुमान रथ किसी प्रकार श्रीलंकाई आक्रमण का सामना करते हैं ये देखना होगा। बांग्लादेश से हार के बाद मुर्तज़ा ने कहा था कि हमें अच्छी बल्लेबाज करनी चाहिये थी जिसमें हम असफल रहे। ऐसे में अब वह श्रीलंका के खिलाफ बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

वहीं सलामी बल्लेबाज जीशान और अंशुमान पर पावरप्ले में अधिक से अधिक रन बटोरने की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो हांगकांग की राह बेहद कठिन है क्योंकि श्रीलंकाई टीम उससे हर मामले में काफी आगे है। ऐसे में अधिक अनुभवी इस टीम के खिलाफ उसके खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

श्रीलंका: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिन्दु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना. हांगकांग- यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्जी, अंशुमन रथ, कल्हण चल्लू, आयुष शुक्ला, ऐजाज खान, अतीक इकबाल, किंचित शाह, आदिल महमूद, हारून अरशद, अली हसन, शाहिद वासिफ, मोहम्मद गजनफर, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान.

यूएई -ओमान का मुकाबला

एशिया कप में सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम का सामना ग्रुप ए मुकाबले में ओमान से होगा। इस मैच में यूएई की टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसके अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं ओमान की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में उतरेगी। दोनों ही टीमों अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हारी हैं। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। यूएई की टीम का प्रदर्शन अपने पहले मैच में अच्छा नहीं रहा और उसे भारतीय गेंदबाजों ने 57 रनों पर ही समेट दिया था।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी। केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। कुछ दिनों पहले बातचीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। भज्जी ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा ही सुर्खियों में रहा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हमने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के साथ नहीं खेला। मुझे लगता है कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। सरकार कहती है कि मैच हो सकता है, तो होना चाहिए। भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 का छठा मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना शुरुआती मैच जीतकर ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं, पाकिस्तान की टीम अपने पहले मैच में ओमान को 93 रन से हराकर दूसरे स्थान पर मौजूद है।

'हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं', पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा की गीदड़ भभकी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप में भिड़ने से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत के लिए चेतावनी जारी करते हुए गीदड़ भभकी दे डाली। पाकिस्तान ने एशिया कप में अपना पहला मैच ओमान के खिलाफ खेला और उसे 93 रन से जीत मिली।

पाकिस्तान ने ओमान के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन हनाए और इसके बाद कमजोर ओमान की टीम को सिर्फ 67 रन पर आउट कर दिया। इस मैच में जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दबाव की बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया और दावा किया कि उनकी टीम अच्छी फॉर्म में है और किसी को भी हराने में सक्षम है।

ओमान के खिलाफ मिली जीत के बाद सलमान आगा ने प्रजेंटेशन में कहा कि मुझे लगता है कि हम पिछले 2-3 महीनों से वाकई अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह बात बार-बार कह रहा हूं। हमने हाल ही में ट्राई सीरीज जीती है और यहां हमने (ओमान के खिलाफ) बहुत ही शानदार जीत हासिल की। हमें बस अच्छा क्रिकेट खेलने की जरूरत है और अगर हम अपनी रणनीति पर लंबे समय तक अमल करते हैं तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए 66 रन की पारी खेलने वाले मोहम्मद हारिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और इस खिताब को जीतने के बाद हारिस ने कहा कि टीम मुझसे जिस तरह का डिमांड करेगी मैं वो करने की कोशिश करूंगा।

सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग, सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया

हांगकांग, एजेंसी। सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने लंबा सूखा समाप्त करते हुए सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग ने शनिवार को सेमीफाइनल में विश्व के नौवें नंबर की जोड़ी चीनी ताइपे के बिंग वेई लिन और चेन चेंग कुआन को सीधे गेम में हराया।

सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का खिताबी मुकाबले में सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी तथा चीनी ताइपे की फांग चिह ली और फांग जिन ली के बीच एक अन्य सेमीफाइनल मैच की विजेता जोड़ी से होगा। सात्विक-चिराग के लिए यह नतीजे काफी सुखद है क्योंकि उन्होंने कई चुनौतियों से पार पाकर वापसी की है।

निशानेबाज ईशा ने खत्म कराया भारत के पदक का सूखा, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

निंगबो, एजेंसी। ईशा का विश्व कप में यह पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। ओलंपियन और मिश्रिम टीम पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में भारत के खिताब का सूखा समाप्त करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता।

ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक

यह ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

ईशा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह पहली प्रतियोगिता थी जिससे मैंने शुरुआत की और इसमें विश्व कप का स्वर्ण पदक जीता। हां, जाहिर है कि इस साल की अगली सबसे बड़ी प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप है। हम इसके लिए बहुत कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि आपको काहिरा में भारतीय टीम से बहुत अच्छी चीजे देखने को मिलेंगी।

ईशा और उनकी साथी रिदम सांगवान ने 578 के समान स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे उन्हें अंतिम दो उपलब्ध स्थान प्राप्त हुए। याओ ने 584 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही भारत की पलक गुलिया ने 586 का स्कोर किया। सुरभि राव 568 के स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रहीं।

आठ निशानेबाजों के फाइनल में रिदम ने अच्छी शुरुआत की और पहली सीरीज के बाद वह शीर्ष जबकि ईशा दूसरे स्थान पर थीं। एलिमिनेशन के आगे बढ़ने के साथ ही दोनों भारतीय ने धैर्य के साथ अच्छे निशाने साधे। रिदम अपने 15वें निशाने पर 10.8 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर पहुंची लेकिन 18वें निशाने के बाद मुकाबले से बाहर हो गईं। ईशा ने इस बीच अपनी लय बनाए रखी और निर्णायक चरणों में 10.7 के दो शॉट लगाकर याओ पर मामूली बढ़त बनाए रखी।

सचिन तेंदुलकर बाल-बाल बचे!

प्लेन की अचानक की गई इमरजेंसी लैंडिंग, मास्टर ने शेयर किया भयावह अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हाल ही में केन्या के मासाई मारा के जंगलों में एक अजीब सी परिस्थिति में फंस गए। उनके विमान को एक भयंकर तूफान की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि जंगल का अपना तरीका है स्वागत करने का, हमेशा! यह घटना हमें प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति की याद दिलाती है, जो मासाई मारा जैसे क्षेत्रों में काफी आम है।

सचिन तेंदुलकर ने खुद बयां की कहानी

सचिन तेंदुलकर ने वीडियो में बताया कि जब वे मासाई मारा के ऊपर से उड़ान भर रहे थे, तब उन्हें दूर से ही एक भयानक तूफान दिखाई दिया। खराब मौसम के कारण पायलट को दो बार लैंडिंग रद्द करनी पड़ी, जिससे विमान के अंदर एक तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। आखिरकार, रनवे साफ होने के बाद विमान को दूसरी तरफ उतारा गया। लेकिन, उनकी मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुई। बारिश के कारण वे कुछ समय के लिए जंगल में ही फंस गए और उन्हें मदद आने का इंतजार करना पड़ा। इस पूरी स्थिति के बावजूद, सचिन के चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर रात को नहीं आए, तो यहीं जंगल में... उनका यह शांत और सकारात्मक रवैया उनकी महानता को दर्शाता है।

हरभजन सिंह के बीसीसीआई में शामिल होने की संभावना, पूर्व ऑफ स्पिनर प्रमुख भूमिका के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बाद अब हरभजन सिंह का नाम भी चर्चा में है, जिन्हें बीसीसीआई के शीर्ष पद से जोड़ा जा रहा है। तेंदुलकर पहले ही सभी अफवाहों का खंडन कर चुके हैं। लेकिन 2011 विश्व कप विजेता स्पिनर ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। पंजाब में जन्मे हरभजन का नाम तब सुर्खियों में आया जब पीसीए ने कथित तौर पर 45 वर्षीय हरभजन को आगामी बीसीसीआई चुनावों में एक भूमिका के लिए नामित किया। भारत के लिए 367 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन अब चुनाव लड़ने के पात्र होंगे क्योंकि उन्हें राज्य संघ का समर्थन प्राप्त है, जो किसी भी उम्मीदवार के लिए एक बुनियादी

आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार अक्सर खेल संगठनों में शीर्ष प्रशासनिक पदों पर प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को नियुक्त करने की ओर झुकी रही है। सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी जैसे पूर्व क्रिकेटर बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं। चुनाव 28 सितंबर को होंगे जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों का फैसला होगा।बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया (सचिव), प्रभतेज सिंह भाटिया (कोषाध्यक्ष) और रोहन देसाई (संयुक्त सचिव) जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

जैस्मिन, नूपुर ने फाइनल में पहुंचकर जगाई स्वर्ण की उम्मीद; खाली हाथ लौटे पुरुष मुक्केबाज

लिवरपूल, एजेंसी। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा भारवर्ग) और नूपुर (80+किग्रा भारवर्ग) ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प वेश किया। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। वह फाइनल में पोलैंड की जूलिया से भिड़ेंगी। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। इससे पहले मीनाक्षी हुड्डा ने भारत का चौथा पदक पक्का किया। वह महिलाओं के 48

भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मीनाक्षी ने अंडर-19 वर्ग की विश्व चैंपियन इंग्लैंड की एलाइस पंपेरी को क्वार्टर फाइनल में हराया।

कड़े संघर्ष से गुजरा है मीनाक्षी का सफर

हरियाणा में रोहतक जिले के रुरकी गांव की 24 साल की मीनाक्षी चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता ऑटो रिक्शा चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। उन्हें गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। निजी कोच विजय हुड्डा ने शुरुआत में खुराक, किट और यात्रा खर्च में मदद की। वह अपनी अकादमी में निशुल्क ट्रेनिंग देते हैं। 2022 में एशियाई चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली मीनाक्षी की यह पहली विश्व चैंपियनशिप है।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के 10 सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने तीन कांस्य जीते थे।

घरेलू विवाद में चाकू से गोदकर पत्नी की हत्या

गुरुग्राम। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सेक्टर-15 पार्ट-2 की मार्केट स्थित टी-पॉइंट के पास एक व्यक्ति करण ने चाकू से गोदकर अपनी पत्नी धन्नी देवी की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से भागने का प्रयास कर रहा था तो लोगों का शोर सुनकर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसको पकड़ लिया। चाकू लगने से घायल महिला को उपचार के लिए सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की एफएसएल व सीन ऑफ क्राइम की टीमों से घटनास्थल और मृतका के शव का निरीक्षण किया। मृतका के भाई की शिकायत पर पुलिस ने हत्यारोपी पति करण (37) के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में हत्या संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि हत्यारोपी पति करण शनिवार की सुबह ही दिल्ली से गुरुग्राम आया था और वारदात को अंजाम दिया।

मृतका की पहचान पन्ना मध्य प्रदेश के अतराई गांव निवासी धन्नी देवी उर्फ पपीता (30) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में अपने पांच बच्चों (13, 10, 8, 5 व 3 साल) के साथ पटेल नगर में किराये के कमरे में रहती थी।

मृतका के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि धन्नी देवी का पति करण शराब पीने का आदी है, जिस कारण इनके बीच अकसर झगड़ा होता रहता था।

उसकी बहन वर्तमान में घरेलू सहायिका का काम करके अपने बच्चों को पालती थी। उसका जीजा करण आए दिन धन्नी उर्फ पपीता के साथ मारपीट करता था। कुछ दिन पहले भी रुपयों की मांग करते हुए करण ने अपनी पत्नी पर जानलेवा हमला किया था। इस बारे में सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी थी लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जांच अधिकारी अरुण ने बताया कि शनिवार शाम को मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। हत्यारोपी पति को गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है। आगामी कार्रवाई के लिए आरोपी पति को अदातल में पेश किया जाएगा।

60 रुपये में खरीदा चाकू, किए 4-5 वार : आरोपी पति करण ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी धन्नी उर्फ पपीता व बच्चों के साथ गुरुग्राम के पटेल नगर में रहता था और एक सैलून में सफाई का काम करता था।

उसका अपनी पत्नी के साथ घरेलू विवाद रहता था। करीब एक माह पहले करण ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की थी। इसके बाद वह दिल्ली के प्रीतमपुरा क्षेत्र की झुग्गी-झोपड़ी में रहने लगा था। पुराने झगड़े में रंजिश रखते हुए करण ने शनिवार को साइकिल पर चाकू बेचने वाले व्यक्ति से 60 रुपये में एक चाकू खरीदा।

जीपीए के आधार पर एचएसवीपी से प्लॉट नाम कराने की याचिका अदालत ने की खारिज

गुरुग्राम। जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) के आधार पर एचएसवीपी (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) से एससीओ नाम कराने की याचिका को जिला अदालत ने खारिज कर दिया है। अदालत ने एससीओ मालिक की मौत हो जाने पर जीपीए खत्म होने और अपंजीकृत समझौता होने के आधार पर याचिका खारिज की है। यह आदेश सिविल जज विशाल की अदालत ने दिया है। मृतक चंद्रा रानी चौहान की बेटी सेक्टर-17ए निवासी सुधा परहार ने अदालत में दायर की याचिका में बताया कि रामपाल को सेक्टर-14 में 30 अक्तूबर 1986 में अलॉटमेंट लेटर दिया गया था। उसी साल 10 दिसंबर को एचएसवीपी की तरफ से पजेशन लेटर दिया गया था। नौ अक्तूबर 1990 में उनकी माता चंद्रा रानी की और रामपाल के बीच में तीन लाख रुपये में एससीओ बेचने का समझौता हुआ था। रामपाल ने उनकी मां के नाम पर जीपीए करा दी थी। वह समय-समय पर एचएसवीपी को शुल्क जमा कराती रही थी। इसके साथ ही एससीओ पर उनका ही कब्जा है और बिजली का बिल भी वह ही जमा कराती है। वर्ष 2005 में रामपाल की मौत हो गई थी। इस मामले में रामपाल के उत्तराधिकारी की तरफ से अदालत में कोई भी पेश नहीं हुआ। एचएसवीपी की तरफ से अदालत में दलील दी गई थी कि रामपाल की मौत के बाद जीपीए खत्म हो गई थी। वह प्लॉट शुरूआत से ही रामपाल के नाम पर दर्ज है। चंद्रा रानी की तरफ से एचएसवीपी द्वारा लिए गए सभी शुल्क प्रतिनिधि के तौर पर लिए गए थे न की प्लॉट के हस्तांतरण के तौर पर। इसके साथ ही रामपाल और चंद्रा रानी के बीच हुआ समझौता अपंजीकृत था। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद याचिका को खारिज कर दिया गया।

दिल्ली देहात में टोल टैक्स के खिलाफ एकजुट हुए ग्रामीण, महांपचायत में विरोध, कहा- यह अधिकारों की लड़ाई

दिल्ली : देहात में यूईआर-2 पर प्रस्तावित टोल टैक्स के खिलाफ पालम 360 खाप के बैनर तले शनिवार को महापंचायत हुई। प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी की अध्यक्षता में हुई इस पंचायत में सैकड़ों ग्रामीणों ने टोल टैक्स के खिलाफ विरोध जताते हुए इसे दिल्ली देहात के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई करार दिया।

महापंचायत में उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि दिल्ली देहात के इतिहास में कभी टोल टैक्स नहीं लगाया गया और वे इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों ने उनकी जमीनें औने-पौने दामों में हड़प लीं और अब भाजपा सरकार टोल टैक्स थोपकर उन पर अतिरिक्त बोझ डालना चाहती है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि दिल्ली देहात ने 27 साल बाद भाजपा को समर्थन देकर सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में सरकार से उनकी समस्याओं के समाधान की उम्मीद है।

१० सितंबर तक का समय दिया

महापंचायत में सर्वसम्मति से सरकार को टोल टैक्स हटाने के लिए 20 सितंबर तक का समय दिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इस अवधि में सरकार ने टोल टैक्स मुक्त करने की घोषणा नहीं की तो 21 सितंबर से स्वयं टोल बंद कर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। पंचायत में मौजूद भीड़ और ग्रामीणों के आक्रोश ने साफ कर दिया कि यह आंदोलन अब दिल्ली देहात के अधिकारों की निर्णायक लड़ाई बन चुका है।

ग्रामीणों ने जमीनें दीं, किस बात का टैक्स दें

सोलंकी ने कहा कि दिल्ली के इतिहास में मौजूदा समय में कोई भी टोल टैक्स दिल्ली में नहीं लगा है। ग्रामीणों की जमीन सरकार ने ली है। ऐसे में वे किस बात का टैक्स दें। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। इस दौरान पंचायत में बवाना 52 के प्रधान चौधरी धारा सिंह, लाड़ो सराय 96 के प्रधान चौधरी नरेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संडे ऑन साइकिल : बाइचुंग भूटिया ने बढ़ाया जोश, देशवासियों को फिट रहने की सलाह

नई दिल्ली। राजधानी में रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 40वें संस्करण का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया मुख्य अतिथि थे। इस दौरान भूटिया ने देशवासियों को फिट रहने के लिए प्रेरित किया। बाइचुंग भूटिया ने आईएएनएस से कहा, यह खेल मंत्रालय की शानदार पहल है। मैं खुद सिक्किम में बहुत साइकिलिंग करता हूं। दिल्ली का यह आयोजन शानदार रहा। इस आयोजन में जिन लोगों ने हिस्सा लिया, मैं उनसे यही कहना चाहूंगा कि सिर्फ रविवार को ही नहीं, बल्कि हफ्ते में 3-4 दिन रनिंग या साइकिलिंग करें। इससे आप फिट रहेंगे। हेल्थ जिंदगी में सबसे जरूरी है। हमें अपनी हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। आप जितने फिट रहेंगे, बीमारी उतनी ही आपसे दूर रहेगी। आर्यन जम्मू से इस आयोजन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, मैं प्रत्येक रविवार साइकिलिंग करता हूं। इस आयोजन में अगर ज्यादा से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे, तो युवाओं को अधिक प्रेरणा मिलेगी। भारत-पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 का हाई-वोल्टेज मैच खेला जाना है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे युवा मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। एक फैन ने कहा, बीसीसीआई और आईसीसी ने दोनों देशों के बीच इस मुकाबले को लेकर फैसला लिया है, उनका फैसला सही है। हमें इस मैच का बेसब्री से इंतजार है। उम्मीद है कि टीम इंडिया जीतेगी। रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के अवसर पर इस सप्ताह साइकिल रैली में युवा समुदाय अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद ने हिस्सा लिया। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम पीएम मोदी की ओर से साल 2019 में शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक रविवार योग, साइकलिंग और खेलकूद जैसी गतिविधियों के जरिए लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है..

सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करें : बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें। सदनों में नियोजित गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए ओम बिरला ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि सदन में तथ्यपरक, सारगर्भित चर्चा करने वाले जनप्रतिनिधियों के दृष्टिकोण को प्रमुखता से दिखाए, ताकि सदस्यों के बीच स्वस्थ संवाद के लिए प्रतिस्पर्धा हो।

लोक सभा अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानमंडल की मेजबानी में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए)-भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह में ये विचार व्यक्त किए। बिरला ने कहा कि इन सम्मेलनों के माध्यम से हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में विधानमंडल नियोजित गतिरोध के बिना कार्य कर सकें। बेंगलुरू में चले इस तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के भाषण के साथ हुआ। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति, विधान सभा के अध्यक्ष ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए सदनों के अंदर गतिरोध और व्यवधान को समाप्त किए जाने, संसद के सहयोग से राज्यों की विधायी संस्थाओं की अनुसंधान एवं सन्दर्भ शाखाओं को मजबूत करने, विधायी संस्थाओं में डिजिटल टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर सर्वसम्मति से संकल्प अंगीकृत किए गए। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि जनता यह महसूस करे कि विधानमण्डल उनकी आवाज का सशक्त मंच है, न कि केवल राजनीतिक टकराव का स्थान। वैचारिक या राजनैतिक मतभेदों के आधार पर सदन रोकने के स्थान पर हमारा संकल्प सदन चलाने का होना चाहिए।

यूरोप में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से ठगे डेढ़ लाख रुपये

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद के रहने वाले युवक से यूरोप में नौकरी दिलाने के नाम पर एक लाख 59 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। आरोपी ने युवक को फर्जी वीजा व फर्जी ऑफर लेटर भेज दिया। थाना साइबर सेंट्रल पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाबा नगर निवासी अजरूदीन सैफी ने बताया कि उन्होंने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा जो अरिया इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के नाम से था। वह युवकों को विदेश में नौकरी दिलाने के बारे में था। इसके बाद उन्होंने फेसबुक के पेज को ओपन किया और उसमें दिए हुए नंबर पर कॉल की। आरोपी ने अपना नाम रहमान चौधरी बताया। उसने बताया की उनका अंतरराष्ट्रीय परामर्श कॉल लोगों को यूरोप में जॉब दिलाता है जिसके लिए उसके सर्विस चार्ज, वीजा आने के बाद 50 प्रतिशत और बाकी 50 प्रतिशत टिकट के बाद देने होते हैं। उनको सब ठीक लगा तो उन्होंने पासपोर्ट, आधार कार्ड, फोटो की कॉपी उनको व्हाट्सएप के जरिये भेज दी। उसके बाद उनके पास रहमान चौधरी ने उनको ट्रीजा ग्रुप ऑफ कंपनीज अल्बानिया का ऑफर लेटर भेजा। कुछ दिन बाद उनको वीजा भेज दिया। इसके बाद उन्होंने आरोपियों के बताए हुए खाते में 40 हजार रुपये भेज दिए। कुछ दिन बाद रहमान ने फ्लाइट टिकट भेजी जो दुबई एयरलाइंस की थी। फ्लाइट मुंबई से तिराना (अल्बानिया) की थी। फ्लाइट 15 अगस्त 2025 को सुबह 5:20 बजे मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल-2 से जाने वाली थी। उसके बाद उन्होंने आरोपियों के बताए हुए खाते में एक लाख 20 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। 11 अगस्त को वह फरीदाबाद से मुंबई पहुंच गए। उनकी आरोपी रहमान से मुंबई जाने के बाद बात होती रही। 14 अगस्त को उन्होंने आखिरी बार रहमान से बात करने के लिए फोन किया तो उनका फोन बंद था। उन्होंने अन्य आरोपियों को भी फोन किया तो सब के नंबर बंद थे। 15 अगस्त की सुबह जब वह मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे, तो उनको पता चला कि आरोपी ने जो वीजा दिया था वह फर्जी था। वहीं टिकट भी रद्द था। इस वजह से एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने उनको वापस भेज दिया।

गाजियाबाद में डेंगू का आतंक, 24 घंटे में मिले तीन नए मरीज

गाजियाबाद। पिछले 24 घंटे में जिले में डेंगू के तीन नए मरीज मिले है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार गंभीर हालत में आठ डेंगू के मरीज अलग अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। कुल मरीजों की संख्या 83 पर पहुंच गई है। मलेरिया के कुल केसों की संख्या 63 है। इससे पहले वर्ष 2021 में 31 केस मिले थे। बुखार के मरीजों की संख्या रोज पांच सौ से अधिक पहुंच रही है।

बरतें सावधानी : डेंगू का मच्छर (एडीज) स्वच्छ एवं रूके पानी मे पैदा होता है। घरों में कूलर में पानी को निकाल दें, छत की टंकियों पर ढक्कन अवश्य होना चाहिये।छत पर जमा वर्षा का पानी निकाल दें। गमले, पक्षियों के पानी पीने को रखे हुऐ पोट में एडीज मच्छर के लार्वा न पनपने पायें।

छतों एवं खुले में रखे हुए बेकार और पुराने टायर, टूटे-फूटे बर्तनों की सफाई जरूर करें। लम्बे समय के लिये घर से बाहर जा रहे हैं, तो बाथरूम इत्यादि में रखी हुई बाल्टी और टब को पलट कर रखें। डेंगू का मच्छर दिन में काटता है। फुल स्लीव के ही कपड़े पहने और पैरों को ढक कर रखें। आसपास पानी जमा न होने दें।घर के आस-पास गन्दगी होने पर पार्षद और ग्राम प्रधान से संपर्क करके साफ-सफाई व्यवस्था कराने के लिए कहें। बुखार होने पर केवल पैरासिटामोल का उपयोग करें एवं कोई भी अन्य दर्द निवारण दवा जैसे डिस्प्रिन, ब्रूफिन इत्यादि दवाओं का सेवन न करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 78,243 मामले

गुरुग्राम। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को 78,243 मामलों का निपटारा किया गया। लंबे समय से अपने चालान, बैंक के चेक बाउंस होने जैसे मामलों के कारण परेशान लोगों को मामले निपटने से राहत की सांस लेने का मौका मिला।

लोक अदालत में मामलों के निपटारे के जिला और सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए 27 पीठों का गठन किया था। इसके साथ उप मंडल सोहना एवं पटौदी में भी लोक अदालत का आयोजन किया गया। उप मंडल सोहना में एक बेंच और पटौदी में एक बेंच लगाई गई थी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण राकेश कादियान ने बताया कि शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में एक दिन में सोहना और पटौदी की बेंच को मिलाकर सभी श्रेणी के

82,851 मामलों को लिया गया था। इसमें से 78,243 मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत में 14.21 करोड़ रुपये का सेटलमेंट हुआ। इसमें से 53,369 मामले सिर्फ यातायात चालान के और चेक बाउंस के 6560 मामलों का निपटारा हुआ है।

मामलों को निपटाने के लिए सभी बेंच में एक-एक पैनल अधिवक्ता को नियुक्त किया गया था, जिन्होंने लोक अदालत के दौरान मौजूद रह कर समझौता तैयार करने में न्यायालयों और डीएलएसए की मदद की। बेंच के अनुपात में पैनल अधिवक्ताओं की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

वादकारियों को मिली राहत, नहीं काटेंगे चक्कर

एक अधिवक्ता ने बताया कि तीन वादी के बीते तीन महीने से यातायात के चालान लंबित थे। उन्हें पुलिस ने चालान के जल्द भुगतान के लिए कहा गया था, लेकिन लोक अदालत में उन्होंने चालान का निपटारा किया। ऐसे कई मामले आए, जिनमें चेक बाउंस के केस लंबित थे। उनके पास ऐसे 6 मामले चेक बाउंस के 3 साल से लंबित थे। शिकायतकर्ता से मध्यस्थता करके चेक बाउंस की राशि का भुगतान कर दिया। पटेल नगर निवासी मोहित ने बताया कि पांच महीने पहले उनकी गाड़ी का चालान हो गया था, लोक अदालत में दोनों का भुगतान कर दिया गया।

गेट नंबर १ पर ट्रैफिक पुलिस ने लगाई हेल्प डेस्क

यातायात पुलिस की तरफ से जिला अदालत परिसर में गेट नंबर दो के पास हेल्प डेस्क बनाई थी। जिन लोगों के चालान लोक अदालत में लगाए गए थे, उन्हें कोर्ट नंबर बताने में मदद दी गई। दरअसल, सबसे ज्यादा 53,369 मामले ट्रैफिक चालान के ही थे। लोगों को अपने वाहनों को बेचने, ट्रांसफर कराने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस वजह से लोक अदालत में लोगों को मामले निपटने से राहत मिली।

जीएसटी सुधारों से एमएसएमई में ग्रोथ और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : केंद्र

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान, लॉजिस्टिक्स और हस्तशिल्प पर जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई।

उदाहरण के लिए, दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, कांच, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एमएसएमई को लाभ होता है।

किफायती साइकिलें गिग वर्कर्स, किसानों और ग्रामीण व्यापारियों के लिए मददगार साबित होती हैं और सस्ती कारें छोटे शहरों में एमएसएमई और डीलरशिप के लिए मददगार साबित होती हैं।

ट्रैक्टरों (1800 सीसी से कम) पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत करने से भारत की वैश्विक ट्रैक्टर निर्माण में अग्रणी स्थिति मजबूत होती है और सहायक एमएसएमई को सहायता मिलती है। वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों (ट्रक, डिलीवरी वैन) पर जीएसटी 28

प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे माल ढुलाई, रसद लागत, मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है और एमएसएमई ट्रक मालिकों को लाभ हुआ है।

बसों (10+ सीटों वाली) पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे बेड़े संचालकों, स्कूलों की लागत कम हुई है और मजदूरों के लिए किराया वहनीयता में सुधार हुआ है।

अधिकांश खाद्य पदार्थों पर जीएसटी 12 प्रतिशत/18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत या शून्य कर दिया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण, लघु-स्तरीय प्रसंस्करणकताओं, क्षेत्रीय ब्रांडों, डेयरी सहकारी समितियों, पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज से जुड़े एमएसएमई को लाभ होगा।

इसके अलावा, चॉकलेट, केक और कन्फेक्शनरी पर जीएसटी कम होने से छोटे मिठाई निर्माताओं की बिक्री बढ़ेगी। दूध और पनीर पर जीएसटी शून्य होने, मक्खन और घी पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से डेयरी क्षेत्र को लाभ होगा। इससे किसानों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को लाभ होगा और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। दूध के डिब्बों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

मानव निर्मित रेशों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे उल्टे शुल्क ढांचे में सुधार हुआ है और एमएसएमई वस्त्र निमार्ताओं और निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ी है।

अब 2,500 रुपए तक के रेडीमेड गारमेंट्स पर जीएसटी 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे टियर-2/3 शहरों में मांग बढ़ेगी और श्रम-प्रधान परिधान इकाइयों, खासकर महिलाओं को लाभ होगा।

चमड़े के उत्पादों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत (2,500 रुपए प्रति जोड़ी से कम) कर दिया गया है, जिससे फुटवियर निर्माण क्षेत्र के एमएसएमई को लाभ होगा। सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे आवास की लागत कम होगी और पीएमएवाई को समर्थन मिलेगा, जिससे खनन, विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में नौकरियों को बढ़ावा मिलेगा। कृषि आधारित लकड़ी के उत्पादों (चावल की भूसी की बोर्ड, बांस की फर्श, आदि) पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे एमएसएमई लकड़ी उत्पाद इकाइयों को मदद मिलेगी।

फ्लाईओवर से रेलवे लाइन पर गिरी बाइक और कार, सुबह-सुबह मचा हड़कंप

नई दिल्ली : दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि बाइक और कार फ्लाईओवर से गिरकर नीचे रेलवे लाइन पर जा गिरीं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। घटना के बाद मौके पर पुलिस बल मौजूद है और राहत-बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक, समयपुर बादली इलाके में रविवार सुबह रेलिंग तोड़ते हुए एक कार मुकरबा चौक फ्लाइओवर से नीचे रेलवे ट्रैक पर गिर गई। हादसे में कार चालक गंभीर रुप से हुआ घायल हो गया। पुलिस ने चालक को अस्पताल में कराया भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि एक बाइक सवार को बचाने के दौरान हादसा हुआ है। पीड़ित कार चालक अभी बयान देने के स्थिति में नहीं है। पुलिस कार रजिस्ट्रेशन नंबर से पीड़ित परिवार से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। हादसे में बाइक भी नीचे गिरी है, पुलिस बाइक सवार से पूछताछ कर रही है।

एम्स में मरीजों और तीमारदारों को रास्ता दिखाने के लिए दिशा एप लॉन्च, इंटरनेट कनेक्शन न होने पर भी चलेगा

दिल्ली : एम्स में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को ओपीडी, लैब, फार्मेसी, सेंटर सहित दूसरे जगहों की खोज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए एम्स ने दिशा एप को तैयार किया गया। इसकी मदद से एम्स परिसर में एक जगह से दूसरी जगह जाने का रास्ता आसानी से खोजा जा सकेगा।

दिलचस्प बात यह है कि इस स्वदेशी एप के इस्तेमाल के लिए इंटरनेट की भी जरूरत नहीं है। बेसमेंट पार्किंग से लेकर लिफ्ट में भी यह काम करेगी। इस इनडोर नेविगेशन मोबाइल ऐप को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लॉन्च किया। इसका इस्तेमाल अस्पताल के कर्मचारी और आगंतुक भी कर सकेंगे। यह पूरे अस्पताल परिसर के लिए काम करेगी। इसमें अस्पताल के 2डी मैप से रास्तों को खोजा जा सकेगा। इसके लिए एआई आधारित रूट और ऑप्टिमाइजेशन का इस्तेमाल किया गया।

एम्स का मानना है कि अस्पताल परिसर बहुत बड़ा है। ऐसे में रास्तों को खोजने में मुश्किल होती है। मरीज समय पर निर्धारित जगह पहुंचे सके उसके लिए एप तैयार किया है। इससे उनका रास्ता खोजने के चक्कर में होने वाला तनाव कम होगा। किसी से पूछना नहीं पड़ेगा और खुद गंतव्य स्थल पर पहुंच सकेंगे। यह एप हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। गूगल प्ले स्टोर से एप को डाउनलोड किया जा सकता है।

एप पर विभागों के कार्य करने से लेकर उनके बंद होने के समय की जानकारी भी उपलब्ध होगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साई प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)